door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 280 | गुवाहाटी | शनिवार, 11 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संविधान बदला ही नहीं जा सकता केवल संशोधन संभव : गडकरी — पेज 2
राज्य का नेतृत्व सौंपने के लिए मुख्यमंत्री ने दिया जनता को धन्यवाद — पेज 3
घोटाले करने के लिए झामुमो और कांग्रेस के बीच मची होड़ : शाह — पेज 5
ओलंपिक के लिए इन नामी जोड़ियों के साथ तैयारी करेंगे सात्विक-चिराग, देश में ... — पेज 7

केजरीवाल को सशर्त मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 2 तारीख को करेंगे सरेंडर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 1 जून तक अंतरिम जमानत दे दी। 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केजरीवाल वर्तमान में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। वह आज जेल से बाहर आ सकते हैं और उन्हें 2 जून तक जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने केजरीवाल द्वारा दायर अंतरिम जमानत याचिका पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद फैसला सुनाया। केजरीवाल द्वारा दायर याचिका में दिल्ली शराब नीति मामले में उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद चल रहे लोकसभा चुनावों के प्रचार में उनकी भागीदारी को सक्षम करने के लिए अंतरिम जमानत के अनुरोध को चुनौती दी गई थी। इसके बाद पीठ ने केजरीवाल को 2 जून को आत्मसमर्पण करने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट की शर्तें

1. अरविंद केजरीवाल को समर्पण कर दो जून को जेल में लौटना होगा।
2. उन्हें 50 हजार रुपए का मुचलका भरना होगा।
3. केजरीवाल आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकेंगे।
4. उन्हें अपने इस बयान का पालन करना होगा कि वे किसी भी आधिकारिक फाइल पर तब तक दस्तखत नहीं करेंगे, जब तक कि मामला उपराज्यपाल से मंजूरी हासिल करने जितना जरूरी न हो।
5. केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय में नहीं जाएंगे।
6. वे किसी भी गवाह से बात नहीं कर सकेंगे और मामले से जुड़े आधिकारिक दस्तावेजों को नहीं देख सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणियां कीं

1. अरविंद केजरीवाल को दी गई अंतरिम जमानत को उनके खिलाफ मामले से जुड़े गुण-दोष पर दी गई राय न माना जाए।
2. केजरीवाल के खिलाफ गंभीर आरोप हैं, लेकिन वे अब तक दोषी करार नहीं दिए गए हैं।
3. उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, न ही वे समाज के लिए खतरा हैं।
4. लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समग्र और उदार दृष्टिकोण उचित है।
5. केजरीवाल डेढ़ साल तक बाहर थे। उन्हें (ईडी द्वारा) पहले या बाद में गिरफ्तार किया जा सकता था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आइए हम कोई समानता न बनाएं। उन्हें मार्च में गिरफ्तार किया गया था और गिरफ्तारी पहले या बाद में हो सकती थी। अब, 21 दिनों के बाद, कोई अंतर नहीं होगा। 2 जून को, अरविंद केजरीवाल आत्मसमर्पण करेंगे। सुनवाई के दौरान केजरीवाल का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से पूछा कि क्या केजरीवाल को 5 जून के लिए अंतरिम जमानत मिल सकती है। इस पर न्यायमूर्ति खन्ना ने जवाब दिया कि नहीं। ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि केजरीवाल को मामले के बारे में नहीं बोलना चाहिए और निर्दिष्ट तिथि पर आत्मसमर्पण करना चाहिए। केजरीवाल के वकील शादान फरासत ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि केजरीवाल आज ही तिहाड़ जेल से रिहा हो जाएं। फरासत ने कहा कि अंतरिम जमानत 1 जून तक है। उन्हें 2 जून को सरेंडर करना होगा। यह सिर्फ मौखिक रूप से कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर आदेश अपलोड होने के बाद हम देखेंगे कि इसमें और क्या है। हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि केजरीवाल आज रिहा हो जाएं। सूत्रों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम जमानत आदेश के बाद केजरीवाल के वकील ट्रायल कोर्ट जाएंगे, जहां रिहाई आदेश तैयार कर तिहाड़ जेल प्रशासन को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रायल कोर्ट से रिहाई आदेश मिलने के बाद ही केजरीवाल को जेल प्रशासन द्वारा रिहा किया जाएगा। सूत्रों ने आगे बताया कि आमतौर पर तिहाड़ जेल में रोजाना आने वाले सभी रिहाई आदेशों का निपटारा करीब एक घंटे में कर दिया जाता है। उधर सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया अदा किया। केजरीवाल ने अपने संक्षिप्त संबोधन में ऐलान किया कि शनिवार को वे 11 बजे कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर जाएंगे। इसके बाद एक बजे पार्टी दफ्तर में पत्रकार वार्ता करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि हमें देश को तानाशाही से बचाना है। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल को आज सुप्रीम कोर्ट से सशर्त अंतरिम जमानत मिली है। वे मुख्यमंत्री का दायित्व नहीं निभा सकते और शराब घोटाले के संबंध में कोई बयान नहीं दे सकते। उन्हें एक जून को आम चुनाव के अंतिम चरण के मतदान तक जमानत मिली है।

कोई भी सम्मानजनक व्यक्ति इस प्रकार की जमानत को अस्वीकार करेगा : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा पूर्वोत्तर में 25 में से 22 सीटें जीतेगी। असम में हम 14 में से 12 सीटें जीतेंगे, हम 13 सीटें जीत सकते हैं। कोई एनआरसी प्रस्ताव नहीं है, मुझे नहीं पता कि ममता कहां से हैं। बनर्जी इसे मुद्दा बना रही हैं। सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट ने कहा है कि संदेशखाली (मामले) की जांच सीबीआई से होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने पर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कोई भी सम्मानित व्यक्ति इस जमानत को स्वीकार नहीं करेगा। यह किस तरह की जमानत है कि आप जा सकते हैं लेकिन 2 जून को वापस आ सकते हैं। केजरीवाल की जमानत के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोलते हुए, शर्मा ने अंतरिम राहत से जुड़ी शर्तों की आलोचना की, जमानत की प्रभावकारिता पर सवाल उठाया जो व्यक्ति को जाने की अनुमति -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

पीओके की एक-एक इंच जमीन भारत की, इसे कोई ताकत छीन नहीं सकती : अमित शाह

खूंटी (झारखंड)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से संबंधित मुद्दे पर *सवालिया निशान उठाने* को लेकर कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि इसकी एक-एक इंच जमीन भारत की है तथा इसे कोई भी ताकत नहीं छीन सकती। अमित शाह ने झारखंड के खूंटी में एक चुनावी रैली में कहा कि मणिशंकर अय्यर हमसे कह रहे हैं कि पाकिस्तान का सम्मान करें क्योंकि उसके पास परमाणु बम है। कुछ दिन पहले *इंडिया* गठबंधन के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि पीओके के बारे में बात मत करो क्योंकि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। मैं कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को बताना चाहता हूं कि पीओके भारत का है और इसे कोई भी ताकत नहीं छीन सकती। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे -शेष पृष्ठ दो पर

जब तक जीवित हूं, एससी-एसटी-ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं देने दूंगा : पीएम मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। उन्होंने नंदुरबार में एक विशाल रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने सभी मुसलमानों को ओबीसी श्रेणी में रातों रात शामिल कर उन्हें आरक्षण दिया। पीएम ने कहा कि कांग्रेस आरक्षण और संविधान के संबंध में झूठ फैला रही है, धर्म आधारित आरक्षण डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के खिलाफ है। पीएम ने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं, मैं दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर मुसलमानों को नहीं देने दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में चुनावी रैली के दौरान कहा कि एक तरफ कांग्रेस है जो कहती है *मोदी तेरी कब्र खुदेगी* और दूसरी तरफ ये नकली शिवसेना है जो मुझे जिंदा गाड़ने की बात करती है। मुझे गाली देते हुए भी ये तुष्टीकरण का पूरा ध्यान रखते हैं। अब तो ये नकली शिवसेना वाले बम धमाके के दोषी को भी अपने साथ प्रचार में ले जा रहे हैं। बिहार में चारा चोरी में जेल की सजा काटने वाले व्यक्ति को कंधे पर बैठाकर घूम रहे हैं, महाराष्ट्र में बम धमाके के दोषी को कंधे पर बैठाकर घूम रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये लोग -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

विद्या सबसे अनमोल धन है; इसके आने मात्र से ही सिर्फ अपना ही नही अपितु पूरे समाज का कल्याण होता है।
– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

मतदान के आंकड़ों पर ईसी ने खड़गे से कहा, भ्रम पैदा न करें

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने मतदान प्रतिशत से संबंधित आंकड़ों पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोपों कों चुनावों के बीच भ्रम पैदा करने वाला बताया है। आयोग ने विस्तार से आरोपों का खंडन करते -शेष पृष्ठ दो पर

ममता को सीबीआई जांच के बीच में नहीं आना चाहिए : सीएम शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच के बीच में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नहीं आना चाहिए। ममता बनर्जी सीबीआई जांच के बीच में आ रही हैं, इसका मतलब है कि उनके दिल में कहीं न कहीं काला है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के आवास पर संदेशखाली मामले को लेकर सीबीआई जांच करना चाहती है, ममता बनर्जी क्यों रोक रही हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई से -शेष पृष्ठ दो पर

बीजापुर में सुरक्षाकर्मियों को मिली बड़ी सफलता, 12 नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाकर्मियों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाकर्मियों ने शुक्रवार को एक मुठभेड़ में कम से कम 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गंगालूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिडिया गांव के पास सुरक्षाकर्मियों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर थी। इसी दौरान पास एक जंगल में हुई यह मुठभेड़ हुआ। उन्होंने आगे कहा कि घटनास्थल से सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इस दौरान सभी सुरक्षाकर्मी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना के बारे में और अधिक जानकारी नहीं मिली है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे इस देश के 90 प्रतिशत लोगों को भागीदारी दिलवानी है : राहुल

लखनऊ (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता मेरे लिए लोगों का जीवन बेहतर करने का औजार है। मुझे इस देश के 90 प्रतिशत लोगों को भागीदारी दिलवानी है। उन्होंने कहा कि संविधान ने करोड़ों लोगों के लिए रास्ते खोले हैं। लेकिन सीबीआई व ईडी के जरिए राजनीति पर आक्रमण-संविधान पर आक्रमण है। सभी संस्थाओं में आरएसएस के लोगों की नियुक्ति- संविधान पर आक्रमण है। बिना जनता से पूछे नोटबंदी करना- संविधान पर आक्रमण है। बिना सेना से पूछे -शेष पृष्ठ दो पर

पित्रोदा के बाद मणिशंकर का विवादास्पद बयान, कहा-

पाकिस्तान को सम्मान देना चाहिए, उनके पास परमाणु बम

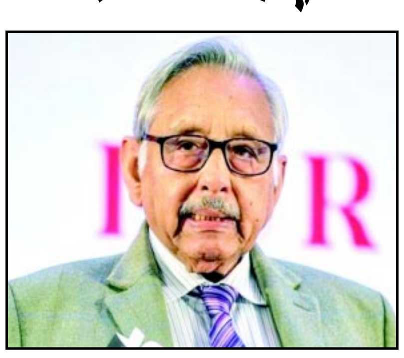

नई दिल्ली। कांग्रेस अभी तक सैम पित्रोदा के कथित नस्लभेदी और रंगभेदी बयान को लेकर हुई आलोचना से उबरी भी नहीं है कि कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने फिर कुछ ऐसा कह दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल मणिशंकर अय्यर ने एक बातचीत में कहा कि पाकिस्तान एक संप्रभु देश है और उनके पास परमाणु बम भी है, इसलिए हमें उन्हें सम्मान देना चाहिए। मणिशंकर अय्यर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया है, जिसमें अय्यर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत करने का समर्थन किया और सरकार से अपील करते हुए कहा कि पाकिस्तान एक संप्रभु देश है और उनकी भी इज्जत है, उस इज्जत को कायम रखते हुए आप उनसे जो भी बात करना चाहते हैं करें, लेकिन बात तो करें। बंदूक लेकर आप घूम रहे हैं और उससे तनाव बढ़ रहा है। अय्यर ने कहा कि अगर वहां कोई पागल सत्ता पर काबिज हो जाए तो क्या होगा, उनके पास परमाणु बम है। हमारे पास भी है, लेकिन अगर लाहौर स्टेशन पर बम फूटा तो सिर्फ 8 सेकेंड में बम का रेडिएशन अमृतसर पहुंच जाएगा। ऐसे में हमें कोशिश करनी चाहिए कि बातचीत करके बमों का इस्तेमाल रोका जाए। अगर आपने उनसे बात करने की कोशिश की और उन्हें इज्जत दी, तभी वे अपने बम के बारे में नहीं सोचेंगे। भारत को अगर विश्वगुरु बनना है तो ये दिखाना -शेष पृष्ठ दो पर

गोल्डन आवर में इलाज से बचाई जा सकती है मरीजों की जान : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिकित्सा आपात स्थिति में *गोल्डन आवर* के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस अवधि के दौरान इलाज मिलने पर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। राष्ट्रपति शुक्रवार को विज्ञान भवन में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में विशेषज्ञ डॉक्टरों को आपातकालीन मरीजों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होने की सलाह देते हुए कहा कि कभी भी ऐसे मरीज को इलाज के लिए कहीं और जाने के लिए नहीं कहना चाहिए। न्याय में देरी न्याय न मिलने के समान है कहावत का संदर्भ देते हुए राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, समय और भी महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

संविधान बदला ही नहीं जा सकता केवल संशोधन संभव : गडकरी

मुंबई। देश में इन दिनों चुनावी मौसम चल रहा है। अब तक तीन चरणों के दौरान कई प्रदेशों में मतदान हो गए हैं और अभी आगे कई राज्यों में कराए जाने हैं। इसके साथ ही धुआंधार चुनाव प्रचार का दौर भी जारी है। वोटरों को लामबंद करने के लिए विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रहे हैं और विरोधियों के खिलाफ बयानबाजी कर एक-दूसरे की पोल खोलने में लगे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को भाजपा नेता नितिन गडकरी ने विपक्षी दल पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री महाराष्ट्र की बीड लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार पकंजा मुंडे के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लोगों को भ्रमित कर रहे हैं कि भाजपा सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि संविधान को बदला नहीं जा सकता सिर्फ संशोधित किया जा सकता है। कांग्रेस अपने शासनकाल में अब तक 80 बार संवैधानिक संशोधन कर चुकी है। कांग्रेस की ही गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की जनता गरीब बनी हुई है। गडकरी ने कहा कि जब तक देश के आखिरी गरीब व्यक्ति को लाभ नहीं मिलता, तब तक हम रुकेंगे नहीं। कांग्रेस की गलत आर्थिक नीतियों के कारण ही देश में लोग गरीब रहे। हमने 10 साल काम किया। 60 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। वे अपने काम के बल पर चुनाव नहीं लड़ सकते इसलिए वे जनता को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि आप सभी जाति और धर्म के आधार पर वोट न करें। उन्होंने कहा कि जब आपको सर्जरी करानी होती है तो क्या आप डॉक्टर की जाति देखते हैं। आप अगर पंकजा को वोट देते हैं, तभी आप रिंग रोड, फ्लाईओवर और सर्विस रोड के समाधान के लिए मेरे पास आ सकते हैं। गडकरी ने कहा कि सीएनजी से चलने वाले दोपहिया वाहनों का निर्माण पहले ही शुरू कर दिया गया है। चीनी मिलों को इन वाहनों के लिए ईंधन बेचने के लिए इथेनॉल पंप स्थापित करने का लाइसेंस दिया जाएगा। किसान न केवल ऊर्जा उत्पादक होंगे, बल्कि वे जैव-बिटुमेन का उत्पादन भी करेंगे। बता दें, बीड में 13 मई को मतदान होगा। मुकाबला मुंडे और रांकपा उम्मीदवार बरजंग सोनावणे के बीच है।

बालागढ़ में ममता सरकार पर हमलावर हुए असम के मुख्यमंत्री शर्मा

हुगली (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार दोपहर हुगली की मौजूदा सांसद और भाजपा की उम्मीदवार लॉकेट चटर्जी के समर्थन में बालागढ़ में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान असम के मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की सरकार पर जमकर निशान साधा। हिमंत विश्व शर्मा अपने भाषण की शुरुआत में पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की बढ़ी हुई कीमत को लेकर ममता सरकार पर हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां-वहां पेट्रोल कम कीमत पर उपलब्ध है जबकि ममता बनर्जी और अन्य दलों की सरकारों में पेट्रोल की कीमतें अधिक हैं। हिमंत ने कहा कि ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता के लिए कुछ नहीं किया, वह सिर्फ अपने भतीजे के लिए सब कुछ करती हैं। हिमंत ने कहा कि ममता बनर्जी या किसी अन्य दल के नेता में बाबरी मस्जिद के स्थान पर राम मंदिर बनवाने की हिम्मत नहीं थी। मोदी जी ने राम मंदिर बनवाया है। काशी का ज्ञानवापी और कृष्ण की मथुरा अभी बाकी है, इसको पूरा करने के लिए मोदी जी को 400 से अधिक सीटों से जितवाएं। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार में आने के तुरंत बाद उन्होंने एक लाख लोगों को नौकरी दी। बंगाल में ममता बनर्जी ने तकरीबन 26000 लोगों को नौकरी दी वह भी रिश्वत लेकर। कोर्ट में मामला फंसा हुआ है। भाजपा की सरकार आएगी तो इस प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं होगा और राज्य का संपूर्ण विकास होगा। हिमंत ने मौजूद लोगों से लॉकेट चटर्जी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

प. बंगाल में 3600 से अधिक मतदान केंद्र संवेदनशील

कोलकाता (हि.स.)। पूरे देश के साथ पश्चिम बंगाल में आम चुनाव के तीन चरणों का मतदान हो चुका है। अब चौथे चरण की तैयारी है। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की आठ लोकसभा सीटों पर 13 मई को होने वाले चौथे चरण के मतदान के लिए तैयार किए गए 15 हजार 507 मतदान केंद्रों में से तीन हजार 647 को संवेदनशील घोषित किया है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बोलपुर सीट पर सबसे अधिक 659 संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। इसके बाद बीरभूम में 640, बहरमपुर में 558, बर्दवान-दुर्गापुर में 422, राणाघाट में 410, कृष्णानगर में 338, आसनसोल में 319 और पूर्व बर्दवान में 301 मतदान केंद्र हैं। इसके मद्देनजर केंद्रीय बलों की कुल 579 कंपनियों को तैनात करने का फैसला किया है।

बलूचिस्तान के ग्वादर में आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी में सात की मौत

कराची (हि. स.)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के बंदरगाह शहर ग्वादर में गुरुवार को अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में कम से कम सात श्रमिक मारे गए और एक घायल है। इस हमले की किसी भी आतंकी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। ग्वादर पुलिस स्टेशन के एसएचओ मोहसिन अली के अनुसार अज्ञात बंदूकधारियों ने सुरबंदर इलाके में ग्वादर फिश हार्बर के पास एक आवासीय क्वार्टर पर अंधाधुंध गोलीबारी की। मृत और घायल व्यक्ति इलाके में नाई की दुकान में काम करते थे और पंजाब के खानेवाल जिले के रहने वाले थे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कहा कि आतंकियों और उनके मददगारों को गिरफ्तार करने के लिए सभी प्रकार के बल का इस्तेमाल किया जाएगा। राज्य के गृह मंत्री मीर जिया उल्लाह लांगौ ने सात मजदूरों की हत्या को खुला आतंकवाद करार देते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

अगर सोनार बांग्ला बनाना है तो भाजपा को 30 सीटें दीजिए

अपराधियों को उल्टा लटका के सीधा कर देंगे : अमित शाह

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में अपने दो रोड शो और चुनावी जनसभाओं के जरिए ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। संदेशखाली की घटना को हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि इसके एक-एक गुनहगारों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा करेगी। शाह ने लोगों से आह्वान किया कि बंगाल को सोनार बांग्ला बनाना है तो कमल पर बटन दबाकर राज्य से 30 से ज्यादा लोकसभा सीट भाजपा को जिताएं। शाह ने कहा कि ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए कि एक महिला मुख्यमंत्री के रहते हुए सालों तक संदेशखाली में धर्म के आधार पर महिलाओं का शोषण किया गया और यह उनके ही (तृणमूल) नेताओं ने किया। शाह ने कहा कि सीबीआई इसकी जांच कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बंगाल की माताओं व बहनों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। संदेशखाली के एक-एक गुनहगारों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ ममता घुसपैठियों को पनाह दे रही हैं और दूसरी तरफ वोट बैंक के चलते वर्षों से शरणार्थी बनकर रह रहे बंगाल के मतुआ समुदाय को नागरिकता देने का विरोध कर रही है। शाह ने स्पष्ट कहा कि सीएए को हाथ लगाने की किसी की ताकत नहीं है। एक-एक शरणार्थी को हम नागरिकता देंगे, यह नरेंद्र मोदी का वादा है। शाह ने भ्रष्टाचार व हिंसा के मुद्दे पर भी ममता बनर्जी पर निशाना साधा।

ब्राउन शुगर के साथ पांच गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने अगरतला से ब्राउन शुगर के साथ शुक्रवार को पांच तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उस समय हुई, जब तस्कर एमबीबी कॉलेज के पास ब्राउन शुगर बेच रहे थे। पूर्वी अगरतला पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अगरतला के शिवनगर और कल्याणी इलाकों में छापेमारी की गई। जिसमें पांच तस्करों को पकड़ा गया। उनके पास से 16 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई। तस्करों के पास से एक स्कूटी भी जब्त की गई। जब्त ब्राउन शुगर का बाजार मूल्य लगभग 10 हजार रुपए है।

सभी ग्लेशियर खोने वाला पहला देश बन सकता है वेनेजुएला : रिपोर्ट

नई दिल्ली। आधुनिक इतिहास में वेनेजुएला ऐसा पहला देश हो सकता है जिसने अपने सभी ग्लेशियर खो दिए हैं, क्योंकि जलवायु वैज्ञानिकों ने इसके अंतिम ग्लेशियर को बर्फ के मैदान में बदल दिया है। इंटरनेशनल क्रायोस्फीयर क्लाइमेट इनिशिएटिव (आईसीसीआई), एक वैज्ञानिक वकालत संगठन ने एक्स पर कहा कि दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र का एकमात्र शेष ग्लेशियर - हम्बोल्ट, या ला कोरोना, एंडीज में - ग्लेशियर के रूप में वर्गीकृत होने के लिए बहुत छोटा हो गया था। पिछली शताब्दी में वेनेजुएला ने कम से कम छह अन्य ग्लेशियर खो दिए हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक औसत तापमान बढ़ने के साथ लगातार ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जिससे दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। डरहम विश्वविद्यालय के ग्लेशियोलॉजिस्ट डॉ. कैरोलिन क्लासन ने बताया कि 2000 के दशक के बाद से आखिरी वेनेजुएला ग्लेशियर पर ज्यादा बर्फ नहीं जमी है। अब इसे जोड़ा नहीं जा रहा है, इसलिए इसे बर्फ क्षेत्र के रूप में पुन: वर्गीकृत किया गया है। मार्च में कोलंबिया में लॉस एंडीज विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एएफपी को बताया कि ग्लेशियर 450 हेक्टेयर से घटकर केवल दो हेक्टेयर रह गया है। विश्वविद्यालय के पारिस्थितिकीविज्ञानी लुइस डैनियल लाम्बी ने गार्जियन को बताया कि अब यह उससे भी कम हो गया है। हालांकि ग्लेशियर के रूप में योग्य होने के लिए बर्फ के एक टुकड़े के न्यूनतम आकार के लिए कोई वैश्विक मानक नहीं है, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कहना है कि आम तौर पर स्वीकृत दिशानिर्देश लगभग 10 हेक्टेयर है। 2020 में प्रकाशित एक अध्ययन में सुझाव दिया गया कि 2015 और 2016 के बीच कभी-कभी ग्लेशियर इससे भी कम सिकुड़ गया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 555PSC/DR-6/3/2019-20/ Vol-I

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that in pursuance of Hon'ble Gauhati High Court order dated: 26-02-2024 in the matter of W.P.(C) No. 2064/2023 (Mofidul Islam Kandakar and 11 Ors -vs- State of Assam and 9 Ors), the Assam Public Service Commission will hold Interview/Viva-Voce for recruitment to the post of **Junior Engineer (Civil) under Public Works Department (Advt. No.06/2019, 19th Nov./2019)** as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22:

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	Junior Engineer (Civil) under Public Works Department	27th, 28th, 29th, 30th & 31st May, 2024	9.00 AM

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original with self attested photocopies thereof for verification/scrutiny on the day of the interview.**

(i) **Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID.**
(ii) **H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.**
(iii) **H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate (if applicable).**
(iv) **Diploma Marksheet and Pass Certificate.**
(v) **Caste/PwBD/EWS certificate (if applicable).**

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. **The intimation letters and list of the candidates will be uploaded on 22-05-2024 in the APSC's website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 696/24/11-May-24

पृष्ठ एक का शेष

कोई भी सम्मानजनक ...

देता है लेकिन एक निर्दिष्ट तिथि पर वापसी अनिवार्य करता है। अरविंद केजरीवाल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह समाज के लिए कोई खतरा नहीं हैं। उच्चतम न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समग्र और उदारवादी दृष्टिकोण अपनाना न्यायसंगत है। अंतरिम जमानत प्रत्येक मामले के तथ्यों के आधार पर दी जाती है और अरविंद केजरीवाल इसका अपवाद नहीं हैं।

पीओके की एक-एक ...

नहीं पता कि कांग्रेस को क्या हो गया है। संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि पीओके भारत का हिस्सा है। आप (कांग्रेस) अब परमाणु बम के बारे में बात करके पीओके पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। भाजपा का रुख स्पष्ट है कि पीओके की एक-एक इंच जमीन भारत की है और यह भारत का ही रहेगा। लोगों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने का आग्रह करते हुए शाह ने कहा कि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला गठबंधन आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। उन्होंने कहा कि झामुमो नीत गठबंधन 300 करोड़ रुपए के भूमि घोटाले, 1,000 करोड़ रुपए के खनन घोटाले, 1,000 करोड़ रुपए के मनरेगा घोटाले और 40 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में शामिल है। हम झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को गरीबों का पैसा हजम नहीं करने देंगे। उन्होंने झामुमो और कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में बाधाएं पैदा कीं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने पांच साल में मंदिर का निर्माण किया...राहुल बाबा राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गए क्योंकि उन्हें अपने *वोट बैंक* का डर था। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान किसी आदिवासी को राष्ट्रपति क्यों नहीं बनाया।

जब तक जीवित ...

इतने अहंकार से भरे हुए हैं कि गरीब इनके लिए कोई मायने नहीं रखता। आज ये गरीब का बेटा आपका सेवक बनकर जब प्रधानमंत्री पद पर काम कर रहा है तो ये गरीब विरोधी मानसिकता वाले, शाही परिवार की मानसिकता वाले इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। ये नकली शिवसेना वाले मुझे जिंदा गाड़ने की बात कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि भाजपा, एनडीए ने आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया... लेकिन कांग्रेस वालों ने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए रात-दिन एक किया था। कांग्रेस के शहजादे के गुरू ने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है, रंग के आधार पर भेद का आरोप लगाया है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है उन्हें कांग्रेस अफ्रीकन मानती है, इसलिए द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बने यह उन्हें मंजूर नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी ने नंदुरबार में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जानती है कि वे विकास में मोदी का मुकाबला नहीं कर सकते इसलिए उन्होंने इस चुनाव में झूठ की फैक्ट्री खोली है और झूठ फैलाकर वे वोट लेना चाहते हैं। कभी आरक्षण को लेकर झूठ तो कभी संविधान को लेकर झूठ बोलते हैं... आरक्षण पर कांग्रेस का हाल *चोर मचाए शोर* वाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ भाजपा तो दूसरी तरफ कांग्रेस है, कांग्रेस ने कभी आदिवासी भाई-बहनों की परवाह नहीं है। आदिवासी इलाकों में सिकल सेल एनीमिया एक बड़ा खतरा रहा है लेकिन कांग्रेस ने इस बीमारी की तरफ उतना ध्यान ही नहीं दिया। यह भाजपा है जिसने सिकल सेल एनीमिया को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान चलाया है।

ममता को सीबीआई ...

कराने को कहा है। ऐसे में ममता बनर्जी क्यों रोक रही हैं। मुख्यमंत्री आज पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर की 25 सीटों में से 22 सीटें भाजपा तथा इसके सहयोगी निश्चित रूप से जीत रहे हैं। वहीं, उन्होंने कहा कि असम की कुल 14 सीटों में से 12 से 13 सीटें भाजपा तथा एनडीए उम्मीदवारों का जीतना तय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारों को नौकरियां देने में रिश्वत लेने से निकृष्ट कोई भी कार्य नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान हो- किसी से भी नौकरी देने में रुपए नहीं लेना चाहिए। ममता बनर्जी द्वारा एनआरसी को मुद्दा बनाए जाने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने एनआरसी को लेकर कोई चर्चा ही नहीं की है। ऐसे में ममता बनर्जी एनआरसी को लेकर मुद्दा क्यों बना रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एनआरसी को लेकर कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्चतम् न्यायालय के आदेश पर सशर्त जमानत को लेकर भी मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2 जून को फिर से केजरीवाल को जेल में वापस जाना होगा ऐसे शर्तों पर जमानत लेना एक मुख्यमंत्री के लिए शर्मनाक है।

बीजापुर में सुरक्षाकर्मियों ...

पुलिस के मुताबिक, सुरक्षाकर्मी अभी भी इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि सुरक्षा बलों ने 16 अप्रैल को कांकेर जिले में 29 नक्सलियों को एक मुठभेड़ में मार गिराया था। मालूम हो कि इससे पहले बीजापुर जिले के कोरचोली और लेंड्रा के जंगल में हुए मुठभेड़ में पुलिस ने 13 नक्सलियों को मार गिराया था। यही नहीं लगभग इतनी ही संख्या में नक्सली बुरी तरह से घायल भी हुए थे। गंगालूर थाना क्षेत्र के लेंड्रा में दो अप्रैल को हुए मुठभेड़ में 13 में से 11 नक्सली की पहचान हुई थी। इसमें पीएलजीएस कंपनी दो के सुखराम हेमला, हूंगा परसी, लक्खू कोरसा, डिवीसीएम सीतक्का (जितरू, डीवीसी की पत्नी), दुला कुहराम, सोनू अवलम, सुदरू हेमला, चैतु पोटाम, लच्छू कड़ती, लक्ष्मी ताती व कमली कुंजाम के रूप में हुई थी।

मुझे इस देश के ...

अग्निवीर लागू करना- संविधान पर आक्रमण है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहीं भी डिबेट करने के लिए तैयार हूं। लेकिन मैं मोदी को जानता हूं, वो मुझसे डिबेट नहीं करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी *प्रधानमंत्री* नहीं हैं, वो *राजा* हैं। उन्हें संविधान, संसद, मंत्रिमंडल से कोई लेना-देना नहीं है। हिंदुस्तान के संविधान में भगवान बुद्ध, महात्मा गांधी, बाबा साहेब, बसवन्ना जी जैसे कई महान लोगों की सोच है। इस सोच के लिए देश के लाखों लोगों ने लड़ाई लड़ी थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजनीति में दो तरह के लोग होते हैं। एक वो जो पूरी जिंदगी सत्ता के पीछे भागते हैं और सच्चाई नहीं देखना चाहते। दूसरे वो जो सच्चाई को देखते हैं और उसे अपनाते हैं। अंबेडकर, महात्मा गांधी, पेरियार, बसवन्ना और भगवान बुद्ध ऐसे ही लोग थे। राहुल गांधी ने कहा कि पहले हिंदुस्तान के लोगों का भविष्य उनके जन्म लेने से पहले ही तय हो जाता था। जन्म से पहले ही ये तय हो जाता था कि उनके पास क्या-क्या अधिकार होंगे। बच्चे का भविष्य पहले से तय कर दिया जा रहा लेकिन राजनीति में लोग सच स्वीकार नहीं करते। हिंदुस्तान के करोड़ों लोगों ने सैकड़ों साल ऐसे ही जिंदगी गुजारी है। इस कारण न जाने कितने हुनर जाया हुए हैं।

पाकिस्तान को सम्मान...

जरूरी है कि हम पाकिस्तान के साथ अपने मुद्दे सुलझाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। इसके लिए हमें बात करनी होगी और पिछले 10 वर्षों में कोई बात नहीं हुई है। हालांकि मणिशंकर अय्यर ने दावा किया है कि यह वीडियो कई महीने पुराना है। कांग्रेस ने पाकिस्तान के बारे में पार्टी नेता मणिशंकर अय्यर के बयान से खुद को अलग किया और कहा कि ध्यान भटकाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन्हें ढूंढ कर लाई है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि अय्यर ने पार्टी की ओर से कोई बात नहीं कही है। खेड़ा ने अय्यर के बयानों से पूर्ण रूप से असहमति जताई और कहा कि यह पुराना वीडियो है। खेड़ा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर का एक वीडियो अपलोड करते हुए लिखा कि अगर पुराने वीडियो का इस्तेमाल किया जाना है तो यहां एक वीडियो है जो ज्यादा पुराना नहीं है और जिसमें विदेशमंत्री खुलेआम कह रहे हैं कि भारत को चीन से डरना चाहिए। मणिशंकर अय्यर पहले भी पाकिस्तान के प्रति अपना प्यार दिखा चुके हैं। बीते दिनों मणिशंकर अय्यर लाहौर के फैज महोत्सव में शामिल होने पाकिस्तान गए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लोग प्यार मिलने पर प्यार बरसाते हैं। मैं अब तक जिस भी देश में गया, वहां इतने खुले दिन से स्वागत नहीं किया गया, जितना पाकिस्तान में हुआ। मेरे अनुभव से पाकिस्तान के लोग ऐसे हैं जो दूसरे पक्ष पर जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया करते हैं। अगर हम दोस्ती दिखाते हैं तो पाकिस्तानी उससे ज्यादा दोस्ती दिखाते हैं। अगर हम दुश्मनी दिखाते हैं तो वे भी ज्यादा दुश्मनी दिखाते हैं। साल 2018 में मणिशंकर अय्यर ने अपने एक बयान में कहा था कि उन्हें कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति पर फख्र है। उन्होंने कहा कि वे पाकिस्तान से भी उतना ही प्यार करते हैं, जितना हिंदुस्तान से करते हैं। हाल ही में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में भारत की विविधता पर बात करते हुए कहा था कि भारत के पूर्व के लोग चाइनीज जैसे, दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे और पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, इसके बावजूद हम एक हैं। हालांकि पित्रोदा ने अपने बयान में जो उपमाएं दीं उनके चलते भाजपा ने पित्रोदा के बयान को नस्लवादी और रंगभेदी बताया और इसे लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस भी पित्रोदा के बयान से बैकफुट पर नजर आई और पार्टी ने पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया।

गोल्डन आवर में ...

है क्योंकि इलाज में देरी से जीवन से वंचित होना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ऐसे दुखद समाचार मिलते हैं कि यदि समय पर इलाज मिल जाता तो व्यक्ति की जान बचाई जा सकती थी। यदि सौभाग्य से जान बच भी जाए तो भी कई स्थितियों में इलाज में देरी से स्वास्थ्य खराब हो जाता है। ऐसे उदाहरण अक्सर लकवा के मरीजों में देखने को मिलते हैं। समय पर उपचार न मिलने के कारण मरीज अपने अंगों को हिलाने-डुलाने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने पिछले लगभग चार दशकों में चिकित्सा शिक्षा में उनके योगदान के लिए एनबीईएमएस के अतीत और वर्तमान सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनबीईएमएस के प्रयासों से देश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राष्ट्रपति ने डॉक्टरों से त्वरित स्वास्थ्य सेवा, संवेदनशील स्वास्थ्य सेवा और सस्ती स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गरीब मरीजों की सेवा के लिए नि:शुल्क समय दान करके आप सभी देश और समाज के लिए अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। उन्होंने मेडिकल छात्रों से कहा कि यदि उन्होंने मेडिकल को पेशे के रूप में चुना है तो उनमें मानवता की सेवा करने की इच्छा जरूर होगी। उन्होंने कहा कि आपको उस सेवा भाव को बचाना, बढ़ाना और प्रसारित करना है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश की विशाल आबादी को देखते हुए डॉक्टरों की उपलब्धता लगातार बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सभी का प्रयास होना चाहिए कि संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता को भी प्राथमिकता दी जाये। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय डॉक्टरों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। किफायती मेडिकेयर के कारण भारत चिकित्सा पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। उन्होंने डॉक्टरों को देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और विश्वास जताया कि वे देश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उपाधियां प्राप्त करने वाले लगभग 12,400 विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या छात्रों से लगभग 750 अधिक है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में भी लगभग 35 का अंतर है। यानि छात्राओं की संख्या अधिक है। यह देखते हुए कि इस दीक्षांत समारोह में डिग्री और पदक पाने वाले पुरुष डॉक्टरों की तुलना में महिला डॉक्टरों की संख्या अधिक है, राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च चिकित्सा शिक्षा में छात्राओं की उपलब्धि हमारे समाज और देश की एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अधिकांश परिवारों के संदर्भ में यह बात कही जा सकती है कि लड़कियों को सीमाओं का अहसास कराया जाता है। कम आजादी दी जाती है, सुविधाएं भी कम मिलती हैं। परिवार से बाहर भी,समाज में, सार्वजनिक क्षेत्रों में, लड़कियों को अपनी सुरक्षा तथा समाज की स्वीकृति के बारे में अतिरिक्त सचेत रहना पड़ता है। ऐसे परिवेश में, योग्यता के सर्वोच्च मानकों पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करके, हमारी बेटियां नए भारत का नया चित्र प्रस्तुत कर रही हैं।

मतदान के आंकड़ों ...

हुए खड़गे को सलाह दी है कि वे इस तरह के बयान देने से बचें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस सप्ताह की शुरुआत में आईएनडीआईए सहयोगियों को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था कि क्या चुनाव आयोग का वास्तविक मतदान आंकड़ा प्रकाशित करने से इनकार करना, मतदान प्रतिशत आंकड़े जारी करने में देरी करना और अगले चरणों के लिए अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन न करना लोकसभा चुनाव परिणामों से छेड़छाड़ का प्रयास है। आयोग ने कहा है कि फॉर्म 17सी में दर्ज वोटों की संख्या में किसी भी तरह हेरफेर की कोई गुंजाइश नहीं है। इसकी हस्ताक्षरित प्रति मतदान समाप्ति पर सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को उपलब्ध कराई जाती है। मतगणना के दिन ईवीएम में डाले गए कुल मतों का मिलान उम्मीदवारों या उनके एजेंटों की उपस्थिति में फॉर्म 17सी से किया जाता है। आयोग ने कहा कि मतदाता मतदान आंकड़ा देर से जारी किए जाने का आरोप तथ्यों से परे है। हमेशा से मतदान की जानकारी ऐप पर उपलब्ध रहती है। आयोग ने किसी भी तरीके से मतदाता मतदान आंकड़ा प्रदर्शित करने के डिजाइन या आवधिकता को नहीं बदला है। यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि मतदाताओं और मतदान केंद्रवार आंकड़े मतदान के दिन ही मतदान समाप्ति के समय उम्मीदवार के एजेंट को दिया जाता है। आयोग ने कहा है कि इस संबंध में अधिक स्पष्टता के लिए उनसे संपर्क साधा जा सकता है।

अवैध शिकारी गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के पोबितरा अभारण्य के वन विभाग और पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान एक अवैध शिकारी को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग के सूत्रों आज बताया है कि पुलिस के सहयोग से चलाए गए अभियान के दौरान अवैध शिकारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शिकारी की पहचान अब्दुल खालेक के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास से एक 3.3 बोर की राइफल, 12 जिंदा कारतूस और एक 7.65 एमएम की पिस्तौल और नौ राउंड जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है। अब्दुल खालेक को अभारणय के पास स्थित गोरुमारा डशदलनी गांव से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित होजाई जिले के मोराजार थानांतर्गत आमबाड़ी गांव का रहने वाला बताया गया है। अभियान के दौरान अन्य शिकारी फरार होने में सफल रहे। अन्य शिकारियों को पकड़ने के लिए पुलिस और वन विभाग इलाके में लगातार अभियान चला रहे हैं।

राज्य का नेतृत्व सौंपने के लिए मुख्यमंत्री ने दिया जनता को धन्यवाद

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार का आज 3 वर्ष पूरा हो चुका है। इस अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने राज्य की जनता को धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया के जरिए अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2021 में इस शुभ दिन को मेरे नेतृत्व में असम के लोगों की सेवा के लिए हमारी सरकार को बागडोर सौंपी गई थी। आज मेरी सरकार के तीन साल पूरे करने पर मैं असम को भारत के शीर्ष पांच राज्यों में से एक बनाने के लिए अथक काम जारी रखने का वादा करता हूं। मैं इस तीन साल की यात्रा में आपके पूरे समर्थन, आशीर्वाद और ईमानदारी से सहयोग के लिए आप सभी के प्रति अपनी ईमानदारी से आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

जखलाबंधा में दंपति का शव बरामद

नगांव (हिंस)। कलियाबर के जखलाबंधा थाना क्षेत्र के बागजान में एक दंपति का शव बरामद किया गया। मृतक दंपति की पहचान डिमापुर निवासी बलराम छेत्री (65) और पवित्रा देवी (43) के रूप में हुई है। पुलिस और स्थानीय लोगों को शक है कि दंपती ने एक साथ जहर खाकर आत्महत्या की है। गुरुवार की दोपहर स्थानीय लोगों के एक समूह ने दंपति को घटनास्थल के पास घूमते और बैठे देखा था। शुक्रवार दोपहर को दंपति का शव बरामद किया गया। शुरुआत में स्थानीय लोगों ने महिला को जिंदा बचा लिया, लेकिन कुछ देर बाद उसकी भी मौत हो गई। मृतक पवित्रा देवी की मां का घर कलियाबर के राहधला में बताया जा रहा है। संदेह है कि दंपति गुरुवार से पहले कलियाबर पहुंचे थे। डिमापुर के दंपति की आत्महत्या के पीछे की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस जांच में असली रहस्य सामने आएगा।

आग में घर जलकर राख लाखों का नुकसान

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया पूर्व शाहान इलाके में लगी आग के दौरान देखते ही देखते एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की शाम को पूर्व शाहान इलाके में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझाए जाने तक साहनूर अली का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कोकराझाड़ : एसएसबी ने चालक समेत भूटानी शराब किया जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा चौकी दादगिरी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 से लगभग 20 मीटर भारत की ओर भारत-भूटान गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे वाहन(रजिस्ट्रेशन न. एएस-19-एम-7225) को संदेहात्मक तौर पर रोक कर वाहन चालक से पूछताछ व चेकिंग के दौरान भूटान से भारत शराब लाते पाया गया। चालक संबंधित दस्तावेज मांगने पर वाहन चालक द्वारा किसी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के उपरांत वाहन चालक व शराब को जब्त कर लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार को अग्रिम कार्रवाही के लिए सुपूर्द कर दिया गया।

ड्रग्स तस्करी मामले में एक महिला समेत तीन गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा पुलिस ने लिडू इलाके में अभियान चला कर भारी मात्रा में ड्रग्स समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला तस्कर भी शामिल है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि लिडू में चलाए गए अभियान के दौरान लगभग 10 लाख रुपए के ड्रग्स समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। लिडू के बिरला गेट के समीप एक किराए के मकान में चलाए गए अभियान के दौरान संजीव कुमार, ठंग ए और माया मगर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के पास से लगभग 10 लाख रुपए का ड्रग्स बरामद किया गया है। ड्रग्स को तस्कर मणिपुर से लेकर आए थे। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तर भारत की आध्यात्मिक यात्रा के लिए न्यू जलपाईगुड़ी से शुरू होगी भारत गौरव ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल ने पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) रेलवे स्टेशन से भारत गौरव स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन के परिचालन की घोषणा की है। आईआरसीटीसी द्वारा संचालित यह ट्रेन 18 मई को न्यू जलपाईगुड़ी से प्रस्थान करेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर भारत के पर्यटन स्थलों को कवर करना है। टूर कार्यक्रम में माता वैष्णोदेवी, हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वृंदावन और अयोध्या जैसे महत्वपूर्ण स्थल शामिल होंगे। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि इस स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन का टूर कार्यक्रम 08 रात/09 दिन का होगा, जिसकी यात्रा 18 मई से शुरू होगी और 26 मई को समाप्त होगी। ट्रेन में एसी-3 टियर और इकोनॉमी/स्लीपर क्लास

के कोच होंगे, जो न्यू जलपाईगुड़ी से 10:00 बजे अपनी यात्रा शुरू करेगी। वाया मालदा टाउन, रामपुरहाट, दुमका, भागलपुर, जमालपुर, किऊल होते हुए 19 मई को पटना जंक्शन 00:30 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन 20 मई को 08:00 बजे से 21 मई को 17:00 बजे तक ठहरेगी। फिर, 22 मई को 6:00 बजे यह ट्रेन हरिद्वार पहुंचेगी और 23 मई को 22:00 बजे तक रूकी रहेगी। इसी तरह, 24 मई को यह ट्रेन 06:00 बजे से 21:00 बजे तक मथुरा में और 25 मई को 07:00 बजे से 21:00 बजे तक अयोध्या रेलवे स्टेशन पर ठहरेगी। ट्रेन अयोध्या से अपनी वापसी यात्रा शुरू कर पटना जंक्शन 26 मई को 05:00 बजे पहुंचेगी, जहां से न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन तक तदनुसार अपने-अपने गंतव्य पर पर्यटक उतरना शुरू कर सकेंगे। इस कार्यक्रम की पैकेज लागत वातानुकूलित श्रेणी के लिए 29,500 रुपए और इकोनॉमी/शयनयान श्रेणी के लिए 17,900 रुपए प्रति व्यक्ति होगी। उत्तर बंगाल क्षेत्रों और इससे सटे राज्यों के लोग इस टूर कार्यक्रम से अत्यधिक लाभान्वित होंगे, जो एक ही बार में अधिकांश गंतव्यों को कवर करेगी, जबकि अलग से योजना बनाने पर इसकी लागत बहुत अधिक होती। भारत गौरव यात्रा के प्रति उत्साही लोगों के लिए पहली ऐसी टूरिस्ट स्पेशल ट्रेन है और यह भारत सरकार की पहल *एक भारत श्रेष्ठ भारत* एवं *देखो अपना देश* के अनुरूप है। यात्रा का लाभ उठाने के लिए यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट से अपनी टिकट बुक कर सकते हैं।

शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल का शानदार रहा परीक्षा परिणाम

गुवाहाटी। असम उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा इस वर्ष आयोजित हायर सेकेंडरी के परीक्षा के परिणामों में नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा। प्राचार्य श्रीमती रीना भौमिक ने बताया कि स्कूल की ओर से हायर सेकेंडरी कॉमर्स के विद्यार्थियों के दूसरे बैच में 13 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 12 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी व 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। वहीं आर्ट्स के पहले बैच में 10 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 8 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी व 2 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इनमें आर्ट्स संकाय से 3 विद्यार्थियों को डिस्टिंशन, 2 विद्यार्थी स्टार मार्क होल्डर रहें। वहीं कॉमर्स संकाय में 12 विद्यार्थी प्रथम स्थान हासिल करने में कामयाब रहे। कुल मिलाकर, विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 28 लेटर मार्क्स प्राप्त किए।

गौशाला के लिए आनंद निकेतन ट्रस्ट का भूमि-पूजन कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। गुवाहाटी के कालीपुर में ब्रह्मपुत्र नद के समीप नीलाचल पर्वत में स्थित आनंद निकेतन आश्रम में गौशाला निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित। आश्रम में वर्तमान में 12 गायों से युक्त गौशाला स्थित है। गौ संरक्षण, संवर्धन एवं अनुसंधान की दृष्टि से नवीन गौशाला निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन समारोह का आयोजन आनंद निकेतन ट्रस्ट द्वारा किया गया। प्रमुख ट्रस्टी सदा दत्त द्वारा प्रदान जानकारी के अनुसार नव निर्मित गौशाला में देशी गायों हेतु आवासीय परिसर, अनुसंधान केंद्र, पशु चिकित्सा, आहार भंडारण की व्यवस्था की जाएगी। गौशाला भूमि पूजन समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य उल्हास कुलकर्णी, विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी सहित विशिष्ट व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता हरी मुंदड़ा, संदीप माहेश्वरी, अशोक गर्ग, संदीप डॉलकनीय, विकास नागपुरिया, सांचीराम पाएंग, मनोज कलिता उपस्थित रहे। नीलाचल वेद विद्यापीठ के आचार्य एवं बटुकों द्वारा वैदिक रीति से पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। प्रकृति के सुरम्य वातावरण में स्थित गौशाला के माध्यम से गौ आधारित सामग्री का निर्माण किया जाएगा तथा गौपालकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिससे गौपालक अपने ग्राम्य क्षेत्र में गौ आधारित लघु उद्योग प्रारंभ कर सकें।

नगरबेड़ा : बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के 33वें वार्षिकोत्वस और बिहू का आयोजन आज से

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघवर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद का 33वां वार्षिक सत्र कल यानी 11 और 12 मई से दो दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ मनाया जायेगा। सत्र के अनुरूप, 11 मई को दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ रात 8 बजे एक खुली बिहू नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर परिषद द्वारा गठित एक मजबूत समिति द्वारा बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के इनामुल हक की अध्यक्षता में एक आम सभा की बैठक पहले ही की जा चुकी है। बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के वार्षिक सत्र की कार्यसूची के अनुसार बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के अध्यक्ष इनामुल हक द्वारा 11 मई को सुबह सात बजे ध्वजारोहण किया जाएगा. प्रात: 8 बजे, दोवाए मगफीरात, प्रात: 9 बजे समाज सेवा, प्रात: 10 बजे वृक्षारोपण, 12 बजे सामान्य खेल, 1 बजे पाठ प्रतियोगिता, शाम 3 बजे प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता, शाम 4 बजे कॉमेडी एक्टिंग प्रतियोगिता, शाम 6 बजे स्टेज लांच और 8 बजे दीये व बिहू नृत्य व सांस्कृतिक प्रतियोगिता का लोकार्पण होगा। 12 मई को सुबह 5 बजे मैराथन दौड़, सुबह 10 बजे भेशचन प्रतियोगिता, दोपहर 3 बजे समाज कल्याण परिषद के अध्यक्ष इनामुल हक की अध्यक्षता में ओपन एंड प्राइज वितरण बैठक होगी। रात 8 बजे, आमंत्रित कलाकार का गीत संगीत होगा। बाघमारा चर समाज कल्याण परिषद के सचिव जाहिदुल इस्लाम ने समाज कल्याण परिषद के सभी पदाधिकारियों के साथ मिलकर 11 और 12 मई को खुली बिहू प्रतियोगिता के साथ आयोजन के हर कार्यक्रम में लोगों का सहयोग और उपस्थिति मांगी है।

रंगिया में आयोजित श्री परशुराम जन्मोत्सव संपन्न

रंगिया (निसं)। रंगिया विप्र महापरिषद के तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित हुए जन्मोत्सव के प्रथम कार्यक्रम मे आज सुबह धार्मिक ध्वजारोहण महासभा के अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा द्वारा किया गया। सचिव लक्ष्मण शर्मा से प्राप्त जानकारी मे धार्मिक ध्वजारोहण के पश्चात मुर्ति स्थापना एवं पूजा अर्चना मंदिर के महंत पुजारी गोपाल शर्मा के मंत्रोचार के साथ विधि विधान से यजमान गणेश नारायण रूंथला द्वारा किया गया। सुंदरकांड पाठ व हनुमान चालीसा पाठ के बाद महाआरती एवं शोभायात्रा निकाली गई। गाजे बाजे से सुसज्जित शोभायात्रा के नगर भ्रमण कर वापस लौटने के पश्चात दोपहर महाप्रसाद का आयोजन किया गया। वहीं संध्या 7 बजे मंदिर प्रांगण में 108 दीप प्रज्ज्वलन, संध्या आरती एवं छप्पन भोग अर्पण व वितरण किया गया। इसके बाद रात्रि बजरंग भजन मंडली के कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन के आयोजन के साथ महोत्सव संपन्न होने की जानकारी कार्यक्रम संयोजक घनश्याम शर्मा ने दी है। वही रंगिया विप्र महापरिषद के अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा व सचिव लक्ष्मण शर्मा, संयोजक घनश्याम शर्मा ने सुचारू रूप से सभी कार्यक्रम संपन्न करवाने हेतु बासुदेव शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, रोहित शर्मा, प्रभु बोहरा, अशोक दाधिच, अशोक शर्मा, गौरव शर्मा, पूनित शर्मा, हरीप्रसाद शर्मा, बजरंग शर्मा, दिनदयाल शर्मा, प्रहलाद वैद्य, मुकेश शर्मा, ऋतुराज शर्मा, डॉ. दिनेश शर्मा, राज कुमार वैद्य सहित सभी समाजबंधुओं का धन्यवाद ज्ञापन किया है।

मारवाड़ी अस्पताल को पूर्ण विकसित एनएबीएच अस्पताल के रूप में मिली मान्यता

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित मारवाड़ी अस्पताल को अस्पतालों के लिए मान्यता बोर्ड एनएबीएच द्वारा अस्पताल को पूर्ण विकसित एनएबीएच अस्पताल के रूप में मान्यता दी गई है। जो पांचवें संस्करण के सभी शर्तो को पूरा करता है। जो अपने आप में एक मील का पत्थर उपलब्धि है। मारवाड़ी हॉस्पिटल पूरे क्षेत्र में एक धर्मार्थ स्वास्थ्य सेवा संगठन हअस्पताल को शुरुआत में वर्ष 1916 में फैंसी बाजार आउटडोर डिस्पेंसरी के रूप में शुरू किया गया था। इसने वर्ष 1985 में शहर के केंद्र में अपनी प्रसूति विभाग को जोड़ा, जिसने अपनी प्रतिबद्ध गुणवत्ता सेवाओं के कारण जनता के बीच बहुत प्रसिद्धि और लोकप्रियता हासिल की थी। यह बातें मारवाड़ी हॉस्पिटल के अध्यक्ष रमेश गोयनका ने मारवाड़ी हॉस्पिटल की सभागार में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में पत्रकारों से कहीं अध्यक्ष गोविंद का ने आगे बताया कि वर्ष 2002 में एक अतिरिक्त मल्टीस्पेशलिटी ब्लॉक के साथ अस्पताल की सेवाओं का और विस्तार हुआ। जो प्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा बहु-विषयक विभागों में सेवाएं प्रदान करता था। वर्तमान में हर साल दो लाख से अधिक लाभार्थियों द्वारा अस्पताल सेवाओं का लाभ उठाया जा रहा है। जहां आम जनता के लिए सस्ती दरों पर सेवाएं जारी हैं। संगठन की धर्मार्थ प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हुए, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए कई योजनाएं उपलब्ध हैं। जनरल वार्ड में इलाज कराने वाले मरीजों को मुफ्त अस्पताल में भर्ती की सुविधा प्रदान की जाती है। डायलिसिस, आईसीयू, ऑपरेशन सहित अस्पताल की सभी सेवाएं बहुत प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध हैं। वर्तमान में अस्पताल कई सरकारी योजनाओं जैसे सीजीएचएस, ईएसआईसी, पीएमजेएवाई, एनएफ रेलवे, आईसीएआर आदि के साथ सूचीबद्ध है और सालाना काफी संख्या में लाभार्थी अस्पताल की गुणवत्ता सेवाओं का लाभ उठाते हैं। इसके साथ ही, अस्पताल कई टीपीए कंपनियों के साथ भी सूचीबद्ध है, जिससे कई लोगों को कैशलेस सेवाएं मिल रही हैं। अस्पताल के लिए मान्यता बोर्ड के बारे में बताते हुए अध्यक्ष को इनका ने कहा कि एनएबीएच भारत में स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता का एक पारिस्थितिकी तंत्र है। एनएबीएच के मानक बदलते स्वास्थ्य देखभाल परिवेश में रोगी की सुरक्षा और अस्पतालों द्वारा सेवाओं की डिलीवरी की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, क्रमिक एनएबीएच मानकों ने मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में

अस्पतालों के दृष्टिकोण में आदर्श बदलाव लाए हैं और साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति समान रूप से संवेदनशील बनाया है। मान्यता के कथित लाभों ने मान्यता की जबरदस्त मांग पैदा की है और इसलिए एनएबीएच मानदंडों के अनुरूप होने और अस्पताल को रोगी अनुकूल सुविधाओं के बराबर रखने के लिए, अस्पताल को 24 x 7 दुर्घटना की सुविधा जैसी कई सुविधाओं को अपग्रेड करना पड़ा। आपातकालीन विभाग, सीटी स्कैन सुविधा के साथ आधुनिक रेडियोलॉजी विभाग, हेपा फिल्टर सुविधा के साथ आधुनिक आईसीयू, मॉड्यूलर ओटी, तृतीयक देखभाल एनआईसीयू और कमरों को सर्वोत्तम सुविधाओं के साथ पुनर्निर्मित किया गया है-सभी सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। यह सबसे प्रतिष्ठित मान्यता अपने आप में अस्पताल के अथक प्रयासों की मान्यता है। मान्यता प्रक्रिया की पूर्व शर्त के रूप में, अस्पताल स्टाफ सदस्यों को नौकरी के साथ-साथ बाहरी प्रशिक्षण भी नियमित रूप से प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो पूरे कार्यबल की गुणवत्ता और योग्यता को बढ़ाएगा और उन्हें अपनी सेवाएं प्रदान करने में अधिक सक्षम बनाएगा। चिकित्सा सेवाओं में प्रगति के साथ गति। वर्तमान में अस्पताल सामान्य चिकित्सा, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सहित सामान्य सर्जरी, ऑब्स जैसी बहु-विषयक सेवाएं प्रदान करता है। और स्त्री रोग, संयुक्त प्रतिस्थापन और आर्थोस्कोपी, ईएनटी, बाल चिकित्सा, त्वचाविज्ञान, दंत चिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, एंडोक्रिनोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, मनोचिकित्सा, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूरोलॉजी, आदि सहित अन्य सभी सहायता सेवाओं सहित आर्थोपेडिक्स। पत्रकार सम्मेलन के पश्चात सभागार में मान्यता बोर्ड द्वारा पूर्ण मान्यता मिलने के उपलक्ष्य एक समारोह आयोजित किया गया। जिसमें अस्पताल को उच्च स्तरीय अस्पताल बनाने में जिन लोगों ने सहयोग दिया उन्हें प्रशंसा पत्र देखकर सम्मानित किया गया। इस सत्र में मान्यता बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ अभिजीत नेउग, डॉक्टर ज्योतिराम दास को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा अस्पताल के अधीक्षक रोहित उपाध्याय, चिकित्सा अधीक्षक जेपी शर्मा, अस्पताल के ओएसडी बनवारी लाल शर्मा, अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर दिनेश अग्रवाल, जनसंपर्क विभाग के सह प्रभारी अनुपम लश्कर के अलावा अन्य गई अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। अस्पताल के सभी विभागों के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के अध्यक्ष रमेश गोयंका,उपाध्यक्ष राम अवतार भारतीया,सचिव आरएस जोशी, कोषाध्यक्ष विश्वनाथ गोयंका, सहसचिव रामस्वरूप खाखोलिया, कोषाध्यक्ष विश्वनाथ गोयंका, ब्लड बैंक के संयोजक डीपी बजाज उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रामस्वरूप खाखोलिया ने किया।

अक्षय तृतीया के उपलक्ष पर इक्षु रेस का वितरण

गुवाहाटी (विभास)। वैशाख शुक्ल तृतीया का विशेष दिन अक्षय तृतीया के रूप में अन्य धर्मो व परंपराओं में आयोजित किया जाता है। तो वही जैन धर्म में भी इस दिवस का विशेष महत्व है। इस दिवस पर श्रवण संस्कृति के युग का प्रारंभ हुआ था। यूं कहे कि दान के महत्व से समस्त संसार को परिचित कराया गया था। इस दिवस को दान पर्व के रूप में भी मनाया जाता है।

मणिपुर पुलिस ने 98 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 98 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 192 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 204 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है।

संपादकीय

सीयू डिग्री में धर्मशाला फेल

परिसर की परिकल्पना में शिक्षा के प्राणों का फैसला कर रहा धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय, अंततः डिग्रियां बांटने तक आ पहुंचा। सातवें दीक्षांत समारोह में 709 डिग्रियों का वृतांत और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आशीर्वाद पाकर कई प्रफुल्लित छात्र मिल जाएंगे, लेकिन इस धूप के सन्नाटे में कहीं जदरांगल का मतव्य उदास है। 'सीयू तेरी कश्ती कहां-पतवार कहां, तू सियासी मजमे में ख्वार हो गई।' पंद्रह साल का विश्वविद्यालय कई चुनावों की चाकरी करता हुआ भी राजनीतिक हिस्सों में अपनी किस्मत पर रो रहा है। तालीम अगर कहीं तकसीम हो सकती है, तो वह यहीं है, यहीं है और केंद्रीय विश्वविद्यालय की सियासत की हर कसौटी में है। मौजूदा चुनाव के धरातल पर देखें, तो केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर कहीं खून के आंसू पीता हुआ दिखाई देगा। इसकी छाती पर मूंग दलते हुए कई नेता चुपचाप निकल गए और अंततः इसके बरअक्स देहरा परिसर बता रहा है कि असली माजरा वही है, वही है। ऐसे में धर्मशाला उपचुनाव की मुख्य सुर्खी जदरांगल परिसर को जितना जिंदा रखेगी, उतने ही लाभ की स्थिति में अब भाजपा के हो गए सुधीर शर्मा होंगे। काश! विश्वविद्यालयों के अस्तित्व का सवाल कांगड़ा के शिक्षा इतिहास को अपमानित न करता। आश्चर्य यह कि जिस कांग्रेस ने कभी धूमल सरकार की पैरवी से धर्मशाला के परिसर को छीनकर यहां बसाया था, आज उसी की सरकार सवा साल से इस मुद्दे पर ईमानदार नजर नहीं आती। मसला वन विभाग को तीस करोड़ के हर्जाने का था, लेकिन सरकार ने ढाई सौ करोड़ के परिसर की जुबां बंद कर दी। देहरा में पौंग बांध के प्रवासी पक्षियों और बगल में वनखंडी के प्रस्तावित वन्य प्राणी विहार के साथ इमारतें बुलंद हो रही हैं, लेकिन अत्यंत परीक्षाओं के दौर से गुजर कर भी जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय के अवशेष ढूंढे जा रहे हैं। बिना कारण शिक्षा की मौत की पताका इस स्थान की हकीकत धर्मशाला चुनाव को बता रही है। यही वजह है कि विश्वविद्यालय के मुद्दे को हराने के लिए कांग्रेस बड़े जोर से उम्मीदवार खोज रही है। ऐसा कौनसा राजनीतिक सूरमा कांग्रेस के शिविर से सामने आएगा, जो केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुद्दे को परास्त कर देगा। न कोई कांग्रेसी नेता बोला और न ही इस विषय पर समूची पार्टी बोल पाई, जबकि स्थानीय जनता ने कई बार आंदोलन और अनशन किए। समाजसेवी अतुल भारद्वाज व उनकी टीम ने तब भी संघर्ष किया था जब धूमल सरकार ने पहली बार इससे धर्मशाला को बेदखल किया था और अब भी जब सुक्खू सरकार ने इसके निर्माण को लेकर संदेहास्पद भूमिका निभाई। आश्चर्य यह कि केंद्रीय विश्वविद्यालय राजनीति का जखीरा बनकर यह भूल गया कि उसका वास्तविक लक्ष्य है क्या। विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर अगर शिक्षा की मौत का कुआं है, तो वहां कई मुख्यमंत्री, कई विधायक और कई सांसद दोषी नजर आएंगे, लेकिन उस वकालत को जनता याद करेगी जब धर्मशाला के तत्कालीन विधायक किशन कपूर ने कहा था कि उनके हलके की यह औकात नहीं कि दो गज जमीन भी इसके लिए उपलब्ध हो। वैसे जिस शहर को कभी कांग्रेस सरकार ने हिमाचल की दूसरी राजधानी का दर्जा देते हुए यहां से विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आगाज किया, वहां अब सरकारें उसकी जेब से कभी मेडिकल कालेज, कभी केंद्रीय विश्वविद्यालय और कभी कार्यालयों को छीन रही हैं। राजनीति का वीभत्स चेहरा देखना हो तो धर्मशाला के जदरांगल में प्रस्तावित जमीन के हर खूंटे पर अनेक चेहरे मिल जाएंगे। आश्चर्य यह है कि ज्वालाजी जैसी विधानसभा में तीन डिग्री कालेज खुल सकते हैं या अनेक विधानसभा क्षेत्रों में दो-दो महाविद्यालय चला दिए जाते हैं, लेकिन धर्मशाला में अंग्रेजी हुकूमत से चल रहे महाविद्यालय व चिकित्सालय के महत्त्व को खत्म करके राजनीति जीतना चाहती है। पहले मेडिकल कालेज को छीनकर तसल्ली नहीं हुई, लेकिन अब ऐसा सारा हिसाब केंद्रीय विश्वविद्यालय को छीनने से पूरा होगा।

> सातवें दीक्षांत समारोह में 709 डिग्रियों का वृतांत और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आशीर्वाद पाकर कई प्रफुल्लित छात्र मिल जाएंगे, लेकिन इस धूप के सन्नाटे में कहीं जदरांगल का मतव्य उदास है। 'सीयू तेरी कश्ती कहां–पतवार कहां, तू सियासी मजमे में ख्वार हो गई।' पंद्रह साल का विश्वविद्यालय कई चुनावों की चाकरी करता हुआ भी राजनीतिक हिस्सों में अपनी किस्मत पर रो रहा है। तालीम अगर कहीं तकसीम हो सकती है, तो वह यहीं है, यहीं है और केंद्रीय विश्वविद्यालय की सियासत की हर कसौटी में है। मौजूदा चुनाव के धरातल पर देखें, तो केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर कहीं खून के आंसू पीता हुआ दिखाई देगा। इसकी छाती पर मूंग दलते हुए कई नेता चुपचाप निकल गए और अंतत : इसके बरअक्स देहरा परिसर बता रहा है कि असली माजरा वही है, वही है। ऐसे में धर्मशाला उपचुनाव की मुख्य सुर्खी जदरांगल परिसर को जितना जिंदा रखेगी, उतने ही लाभ की स्थिति में अब भाजपा के हो गए सुधीर शर्मा होंगे।

भाजपा का नारा अबकी बार 400 पार' की असली जमीन उत्तर प्रदेश ही है

पश्चिम बंगाल से उत्तर प्रदेश को साधना चाहती हैं ममता ?

प्रभुनाथ शुक्ल

> आम चुनाव को लेकर देश में शोर की राजनीति है। जनपक्ष से जुड़े जमीनी मुद्दे गायब हैं सिर्फ जुबानी जंग की लड़ाई है। आधुनिक भारत में विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम में हम चाँद और सूरज को नाप रहे हैं जबकि राजनीति में हमारी सोच आरक्षण, दलित, सम्प्रदाय, जाति, अगड़ा – पिछड़ा, हिन्दू – मुस्लिम से आगे नहीं निकल पा रही। यह आधुनिक भारत और युवापीढ़ी के लिए शर्म की बात है। फिलहाल राजनीति भी प्रयोगवाद का विज्ञान है लिहाजा प्रयोग लाजमी है। चलिए हम उसी सियासी प्रयोगवाद के अध्ययन की तरफ ले चलते हैं। उत्तर प्रदेश राजनीतिक लिहाज से बड़ा प्रयोग क्षेत्र है।

देश का आम चुनाव जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनविश्वास की चुनौती का बड़ा सवाल है। वहीं दूसरी तरफ विखरे विपक्ष की सियासी एकता की अग्निपरीक्षा भी है। आम चुनाव को लेकर देश में शोर की राजनीति है। जनपक्ष से जुड़े जमीनी मुद्दे गायब हैं सिर्फ जुबानी जंग की लड़ाई है। आधुनिक भारत में विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम में हम चाँद और सूरज को नाप रहे हैं जबकि राजनीति में हमारी सोच आरक्षण, दलित, सम्प्रदाय, जाति, अगड़ा -पिछड़ा, हिन्दू - मुस्लिम से आगे नहीं निकल पा रही। यह आधुनिक भारत और युवापीढ़ी के लिए शर्म की बात है। फिलहाल राजनीति भी प्रयोगवाद का विज्ञान है लिहाजा प्रयोग लाजमी है। चलिए हम उसी सियासी प्रयोगवाद के अध्ययन की तरफ ले चलते हैं। उत्तर प्रदेश राजनीतिक लिहाज से बड़ा प्रयोग क्षेत्र है। 'भाजपा का नारा अबकी बार 400 पार' की असली जमीन उत्तर प्रदेश ही है। इस बार पश्चिम बंगाल की कुशल राजनीतिज्ञ खिलाडी ममता बनर्जी इण्डिया गठबंधन के रास्ते नया प्रयोग करना चाहती हैं। वह भदोही लोकसभा सीट के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में घुसपैठ करना चाहती हैं। उनकी इस सोच को जमीन देने का काम किया है समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने। उन्होंने अपनी सियासी दोस्ती में भदोही जैसी अहम सीट तृणमूल की झोली में डाल दिया है। ममता दीदी इस प्रयोग में कितनी सफल होंगी यह वक्त बताएगा। ममता बनर्जी इस प्रयोगवाद के जरिए भाषाई राजनीति से अलग हटकर उत्तर भारत के सबसे बड़े हिंदी भाषी क्षेत्र में अपनी उपस्थित दर्ज करना चाहती हैं। अगर इण्डिया गठबंधन के जरिए यह प्रयोग सफल रहा तो वह इसी रास्ते हिंदी भूभाग पर राजनैतिक विस्तारवाद की फसल उगाएंगी। उनके इस सफ़र के सबसे अहम साथी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव होंगे। मोदी बनाम विपक्ष की इस सियासी दोस्ती में दीदी को अखलेश यादव जैसा एक मजबूत सियासी दोस्त मिला है। दीदी के लिए उन्होंने बड़ा दिल दिखाया है। सपा यूपी में 63 जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

ममता और अखिलेश यादव के बीच हुए इस समझौते में मीडिया में यह बात भी आयी थीं कि अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल में समाजवादी पार्टी के उपाध्याय किरणमय नंदा के लिए दक्षिण कोलकाता की सीट चाहते थे। क्योंकि यहाँ पूर्वांचल के आजमगढ़, गाजीपुर और चंदौली जिले के मतदाता काफी संख्या में रहते हैं। जिससे सपा वहां अपनी पैठ जमा सकती है। अब यह समझौता हुआ या नहीं कहना मुश्किल है। किरणमय नंदा 35 साल तक विधायक रहे। वह वाममोर्चा सरकार में 30 साल तक मंत्री रहे। वे समाजवादी विचारधारा के पोषक रहे जिसकी वजह से वे मुलायम सिंह यादव के करीब आए और परिवार में सियासी उठापटक के दौरान वे अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़े रहे। जिसकी वजह से वह अखिलेश यादव के करीबी बन गए। नंदा की वजह से ही समजवादी पार्टी का अधिवेशन कोलकाता में हुआ था। बंगाल में वह समाजवादी पार्टी को खड़ा करना चाहते हैं। फिरहाल अखिलेश यादव ने ममता दीदी के लिए बड़ा दिल दिखाया और उन्हें भदोही सीट मिल गई है। हालांकि अखलेश यादव के इस फैसले से पार्टी के बड़े नेता आंतरिक तौर पर खुश नहीं होंगे। लेकिन भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद जमाल बेग बातचीत के दौरान इस बात से इनकार किया था।

फिलहाल बीमारी की वजह से वे अस्पताल में हैं। यहाँ से ममता ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे पंडित कमलापति के प्रपौत्र ललितेश पति त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा है। ललितेशपति का परिवार खानदानी तौर पर कांग्रेस कल्चर से रहा है। ललितेश भी कभी गाँधी परिवार के बेहद करीबी माने जाते रहे। वे कांग्रेस से मिर्जापुर की मडिहान विधानसभा से 2012 में विधायक चुने गए। मिर्जापुर उनके परिवार की सियासी कर्मस्थली रही है। उनके दादा लोकपति त्रिपाठी का यह कर्म क्षेत्र रहा है। ललितेश कभी प्रियंका गाँधी के बेहद खास रहे। लेकिन राजनीति में सबकुछ चलता है। किसी बात से नाराज होकर 2021 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल की शरण में चले गए। अब ममता ने उन्हें भदोही से उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल में इण्डिया गठबंधन का कोई मतलब नहीं है वहां कांग्रेस और ममता एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। ममता दीदी भदोही में ललितेश को चुनावी मैदान में उतार कर सोची समझी रणनीति का परिचय दिया है। उन्होंने कांग्रेस को जहाँ जमीन दिखाई है वहीं एक ब्राह्मण चेहरा उतार कर एक नई सियासत का आगाज किया है। ललितेश कभी कांग्रेस के वफादार सिपाही थे। उनका पूरा खानदान कांग्रेस कल्चर का है लेकिन कांग्रेस से जब ठुकराए गए तो दीदी ने गले लगाया। ममता का दांव कांग्रेस के लिए एक सबक भी है। दूसरी बात ललितेश एक ब्राह्मण चेहरा हैं। ममता भी ब्राह्मण हैं। भदोही में ब्राह्मण वोटर सबसे अधिक हैं। 2014 के बाद ब्राह्मण भाजपा की झोली में चला गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा यानी मोदी और ममता की सियासी दुश्मनी जगजाहिर है। इसलिए उन्होंने पूर्वांचल के सियासी दिग्गज परिवार के युवा उमीदवार को उतार कर भजपा के वोट में सेंधमार अपना सियासी दाँव को सफल करना चाहती हैं। क्योंकि भदोही प्रधानमंत्री मोदी की वाराणसी संसदीय सीट की पड़ोसी सीट है। ममता का चुनावी दाँव अगर सफल हो जाता है तो यह मोदी के लिए भी चुनौती होगी। दूसरी तरफ भदोही समाजवादी और भजपा की टककर वाली सीट है। यहाँ ब्राह्मण, बिंद के बाद मुस्लिम और यादव अच्छी तादात में हैं।

दृष्टि कोण

अमेरिकी बैंक क्यों हो रहे दिवालिया?

अमेरिका में वर्ष 2023 में 3 बैंक (सिलिकन वैली बैंक, सिगनेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक) डूब गए थे एवं वर्ष 2024 में भी एक बैंक (रिपब्लिक फर्स्ट बैंक) डूब गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अमेरिकी केंद्रीय बैंक, यूएस फेडरल रिजर्व, द्वारा ब्याज दरों में की गई वृद्धि के चलते बैंकों के असफल होने की यह परेशानी बहुत बढ़ गई है। लिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी और यह अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था और हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है। इसी प्रकार, सिगनेचर बैंक ने न्यूयॉर्क कानूनी फर्म एवं अचल सम्पत्ति कम्पनियों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर रखी थीं। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 11,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति थी और अमेरिका में हाल ही के समय में डूबने वाले बड़े बैंकों में चौथे स्थान पर आता है। 31 जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की कुल सम्पत्तियां 600 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं जमाराशि 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर थीं। न्यू जर्सी, पेनसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में बैंक की 32 शाखाएं थीं जिन्हें अब फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में जाना जाएगा क्योंकि फुल्टन बैंक ने इस बैंक की सम्पत्तियों एवं जमाराशि को खरीद लिया है। पीयू रिसर्च संस्थान के अनुसार, चार शताब्दी पूर्व, वर्ष 1980 एवं वर्ष 1995 के बीच अमेरिका में 2,900 बैंक असफल हुए थे। इन बैंकों के पास संयुक्त रूप से 2.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति थी। इसी प्रकार, वर्ष 2007 से वर्ष 2014 के बीच अमेरिका में 500 बैंक, जिनकी कुल सम्पत्ति 95,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, असफल हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अमेरिका में सामान्यतः बैंक असफल नहीं होते हैं। परंतु, इस सम्बंध में अमेरिकी रिकार्ड कुछ और ही कहानी कह रहा

है। वर्ष 1941 से वर्ष 1979 के बीच, अमेरिका में औसतन 5.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 1996 से वर्ष 2006 के बीच औसतन 4.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं एवं वर्ष 2015 से वर्ष 2022 के बीच औसतन 3.6 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकी बैंकों को 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ था। इसके पूर्व, वर्ष 1921 से वर्ष 1929 के बीच अमेरिका में औसतन 635 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। यह अधिकतर छोटे आकार के बैंक एवं ग्रामीण बैंक थे और यह एक ही शाखा वाले बैंक थे। अमेरिका में आई भारी मंदी के दौरान वर्ष 1930 से वर्ष 1933 के बीच 9,000 से अधिक बैंक असफल हुए थे। इनमें कई बड़े आकार के शहरों में कार्यरत बैंक भी शामिल थे और उस समय इन बैंकों में जमाकर्ताओं की भारी भरकम राशि डूब गई थी। वर्ष 1934 से वर्ष 1940 के बीच अमेरिका में औसतन 50.7 बैंक प्रतिवर्ष बंद किए गए थे। अमेरिका में इतनी भारी मात्रा में बैंकों के असफल होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल है कि वहां छोटे छोटे बैंकों की संख्या बहुत अधिक होना है। बैंकों के ग्राहक बहुत पढ़े लिखे और समझदार हैं। बैंक में आई छोटी से छोटी परेशानी में भी वे बैंक से तुरंत अपनी जमाराशि को निकालने पहुंच जाते हैं, जबकि बैंक द्वारा इस राशि से खड़ी की गई सम्पत्ति को रोकड़ में परिवर्तित करने में कुछ समय लगता है। इस बीच बैंक यदि जमाकर्ता को जमाराशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है और इस प्रकार बैंक असफल हो जाता है। कई बार बैंकों द्वारा किए गए निवेश (सम्पत्ति) की बाजार में कीमत भी कम हो जाती है, इससे भी बैंकें अपने जमाकर्ताओं को जमाराशि का भुगतान करने में असफल हो जाते हैं। अभी हाल ही में अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी की गई है, जिससे इन बैकों द्वारा अमेरिकी बांड में किये गए निवेश की बाजार में कीमत अत्यधिक कम हो गई है। अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैंकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व, का पूरा ध्यान केवल मुद्रा स्फीति को कम करने पर है एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग कम हो और मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाया जा सके।

कुछ अलग

कठिन सच का धरना...

आपको कितने दिन हो गए, सडक़ पर धरना लगाए? उन्होंने हमें पूछा था। अब ऐसी बातों का भी भला कोई जवाब हो सकता है। बहुत कोंचोगे तो यही जवाब देंगे कि 'साब सडक़ पर तो हमारा हमेशा धरना दे रहा है, आप हमारे धरने के दिन न गिनिये। कोशिश कीजिए कि साम, दाम, दंड, भेद की कोई भी नीति अपनाकर यह धरना उठाना है।' हमारा यह धरना वैसे अभी नहीं बहुत दिन से है। होश संभाली तो पता चला कि यहां अक्ल और रुचि नहीं, सिफारिश और सिक्कों की चमक देखी जाती है। जब इसके धनुर्धारी इन सब सीटों को हथिया लेते हैं, तो हमारे लिए जो बचता हैस वह है सडक़ छाप पाठशाला और अर्थिक संकट में घिरे हुए विश्वविद्यालय, जिसके उपकुलपति आर्थिक तंगी से परेशान होकर इस्तीफा भी दे जाएं तो किसी के कानों पर जूं नहीं रेंगती। एक अनार है और सौ बीमार हैं। एक इस्तीफा देकर अनोखा कार्य करता है तो बाईस उसकी जगह लेने को तैयार बैठे हैं। लोग तो भई आजकल गद्दी छोड़ते कहां हैं? जाने की तैयारी कर भी लें तो अपना नाती-पोता वहां भिड़ा जाते हैं। ये साब बीते युग के आदर्शों का रोना रोते हुए इस्तीफा दे गए तो इनकी अक्ल का मातम ही मनाया जा सकता है। देखो न एक भी हाथ उनके समर्थन में नहीं उठाए किसी समूह ने उनके हक में धरना नहीं लगाया। वे लोग, जब से होश संभाली, अपने साथ होती ऊंच-नीच के विरोध में धरना लगाने की बस सोचते रहे हैं, लेकिन ऐसी बातों पर भी कोई धरना लगाता है कि आपको सही जगह पढऩे के लिए नहीं मिली। योग्यता अनुसार नौकरी नहीं मिली। मेहनत करके फसल की बिजाई की तो उसका सही मूल्य नहीं मिला। अनुदान बंटने लगा तो वंचितों से अधिक उसके दलाल प्रमुख हो गए? स्वनाम धन्य नेता इस जर्जर देश का बोझ उठाते-उठाते दोहरे हो गए। उनका दारुण दुख देखा नहीं जाता। उनके हक में भाषण दिए जा सकते हैं लेकिन उनके लिए धरने नहीं लगाए जा सकते। हां यह अवश्य किया जा सकता है अगर किसी समूह ने न्याय के लिए धरना लगा दिया, तो उसे तारपीडो करने के लिए उन्हें देशद्रोही, विपक्ष की कठपुतलियां या फर्जी करार दे दिया जाए। धरने वालों को इस प्रकार थका दिया जाए, बस वे घिघिया कर स्वयं ही नाममात्र शर्तों के साथ फैसला करने के लिए बढ़ आएंगे और समय की सरकार उदारता दिखाते हुए कह देगी कि लीजिए जनाब हमसे आपका दुख देखा नहीं जाता था, इसलिए हमने स्वयं ही आपकी समस्याओं का हल तलाश लिया। आपको समझ नहीं आई, अब आपको समझाने के लिए बुकलैट छापे जा रहे हैं। हर बात को नम्बर बार समझाया जा रहा है। बड़े-बड़े सिपहसालार मैदान में उतारे जा रहे हैं, जो आपकी समझ का मातम मनाते हुए आपको असली बात समझाएंगे कि देखो भई ये कदम अमीरों के हक में नहीं, उस बोसीदा जर्जर ढांचे को नष्ट करने के लिए उठाए जा रहे हैं। आपको यह बताना पड़ेगा कि सदियों से खेतीबाड़ी कर रहे हो, और महाजनी सभ्यता के बंधक हो। गैर हाजिर जमींदार आपको अपनी कूवत और पैसे के बल पर भागीदार कहते हुए भी आपकी मेहनत को किसी किनारे नहीं लगने देते थे। हमारा खेती प्रधान देश है। दो तिहाई जनता आज भी गांवों में छत तलाशती है, आधी आबादी खेती में लगी है, लेकिन जमींदार साहूकार और आढ़तियों की धौंस इस तरह कि आप आज भी धरना लगाए बैठे हो कि हमें तो अभी धनी किसान के साथ बटाई, साहूकार से कर्जा और आढ़तिए के साथ सौदा करना है। हमारे जाने पहचाने हैं, अपना मारेगा तो भी जगह देख कर मारेगा। वंचित रहे तो क्या?

देश दुनीया से

आखिर किस दौड़ और होड़ में शामिल हो रहे हैं हमारे बच्चे ?

> परीक्षाएं और इनके परिणाम महत्वपूर्ण होते हैं, खास इसलिए भी क्योंकि ये 10–12 वर्षों की लगातार मेहनत का फल माने जाते हैं। इस समय बच्चों सहित पूरे परिवार का ध्यान केवल बच्चों के अंकों के उतार–चढ़ाव पर ही रहता है जिसके 99 प्रतिशत अंक आते हैं उसे 1 प्रतिशत कम आने का गम घेरता है जिसकी तीसरी पोजीशन होती है उसको दूसरी पोजीशन और दूसरे वाले को पहली रैंक ज्यादा आकर्षित करती है इसलिए खुशियों के माहौल में संतुष्टि नदारद रहती है। हम सभी इस दौर से होकर गुजरे हैं पहले और आज के रिजल्ट आने की प्रक्रिया और परिणामों में बहुत परिवर्तन हो चुके है। पहले ज्यादातर माता–पिता, जो कम पढ़े लिखे होते थे और उन्हें मनोविज्ञान के विषय में जानकारी नहीं थी लेकिन वे बच्चों का मानसिक दबाव कम करने का काम बखूबी जानते थे।

अभी हाल ही में बच्चों के यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर के नतीजे आए हैं। अब जल्द ही सी.बी.एस.ई.के परिणाम आ जाएंगे। ये परीक्षाएं और इनके परिणाम महत्वपूर्ण होते हैं, खास इसलिए भी क्योंकि ये 10-12 वर्षों की लगातार मेहनत का फल माने जाते हैं। इस समय बच्चों सहित पूरे परिवार का ध्यान केवल बच्चों के अंकों के उतार-चढ़ाव पर ही रहता है जिसके 99 प्रतिशत अंक आते हैं उसे 1 प्रतिशत कम आने का गम घेरता है जिसकी तीसरी पोजीशन होती है उसको दूसरी पोजीशन और दूसरे वाले को पहली रैंक ज्यादा आकर्षित करती है इसलिए खुशियों के माहौल में संतुष्टि नदारद रहती है। हम सभी इस दौर से होकर गुजरे हैं पहले और आज के रिजल्ट आने की प्रक्रिया और परिणामों में बहुत परिवर्तन हो चुके है। पहले ज्यादातर माता-पिता, जो कम पढ़े लिखे होते थे और उन्हें मनोविज्ञान के विषय में जानकारी नहीं थी लेकिन वे बच्चों का मानसिक दबाव कम करने का काम बखूबी जानते थे। वे 10वीं-12वीं की कक्षाएं प्रारंभ होने के साथ ही यह कहना आरंभ कर देते थे कि ₹पास होने भर के अंक

आ जाएं बस, चाहे थर्ड क्लास ही क्यों न आए, बस पास हो जाना ₹ज्यादातर माता पिता सिलेबस और पढ़ाई के डेली रूटीन से भी अंजान रहते थे। उनकी प्रार्थना और दुआएं भी बच्चे के पास होने तक ही रहती थी। शायद उनका डर उनकी ख्वाहिश से बड़ा रहता था कि कहीं बच्चों को तनाव न हो जाए। हालांकि, पहले 60 प्रतिशत अंक आने में गांव में हफ्तों चर्चाएं हुआ करती थी, जिनके 60% अंक आते थे। उनके माता-पिता का सीना गर्व से महीनों तक फूला रहता था। इसके विपरीत अब तो 80 प्रतिशत अंक भी संतुष्टि के दायरे से बहार कर दिए गए हैं, जिसका परिणाम है की हम बच्चों में अनावश्यक दबाव बढ़ाते जा रहे हैं। हम समझ ही नहीं पा रहे कि हम अपने बच्चों को जीवन की किस दौड़ में शामिल करा रहे हैं। जहां मंजिल पर पहुंच कर नंबर वन बने रहने की भूख उन्हें खोखला बना रही है और जीवन के आनंद से वो वंचित हो रहे हैं। इधर, पहले भी सबसे संवेदनशील रिजल्ट के तौर पर 10-12 वीं का ही परिणाम था। हफ्तों पहले से परिवार वाले बच्चों पर नजर बनाए रखते थे। इतने पर भी बहुत सारे बच्चे परिणाम आने के पहले और बाद में आत्महत्या करने की कोशिश करते थे। कुछ के तो आत्महत्या के बाद आने वाले परीक्षा परिणाम में बहुत अच्छे नंबर भी होते थे जिन्हें देख उनके माता-पिता जीवन भर का दुःख सहन करने के लिए मजबूर हो जाते थे। आस-पड़ोस वाले उन बच्चों का उदाहरण देकर दूसरे बच्चों को मोटिवेट किया करते थे ताकि वो कोई गलत कदम न उठाए, जिसका परिणाम होता था कि बच्चे अंकों की दौड़ में जीवन में संतुलन बनाना सीख लेते थे और बड़ी परीक्षाओं में फेल होने पर भी जीवन की परीक्षा में वे पास हो जाते थे। तब कोटा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि विभिन्न स्थानों से इतनी बड़ी संख्या में हृदय विदारक खबरे कम ही आती थी तब सबसे संवेदनशील पड़ाव 10-12वीं ही हुआ करते थे। ऐसा नहीं है की आज के माता पिता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखते हैं। बस नंबर और कैरियर की प्रतिस्पर्धा उनमें ठूस-ठूस कर भर रहे हैं जो बच्चों को खुद को समझने, समझाने का मौका नहीं देते। उन्हें यह समझाना बेहद जरूरी है कि नंबरों के इतर भी खूबसूरत दुनिया है। कम अंकों वाले भी दुनिया में बड़ी उपलब्धियां हासिल करते हैं। अपने परिवार और देश का नाम रौशन करते हैं। तनाव का हल आत्महत्या नहीं बल्कि मजबूती से खुद को नई चुनौतियों के लिए तैयार करना होता है। खुद को तनाव से बाहर निकालना होता है। दुनिया के महान मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बच्चें जैसे-जैसे बड़े होते हैं उनके मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल और भी जरूरी हो जाती है। माता पिता को उन्हें समझना जरूरी हो जाता है। हर बच्चे में कोई ना कोई विशेष गुण होता है, कुछ बच्चे पढ़ने में अच्छा करते हैं तो कुछ का मन पढ़ने में बिल्कुल नहीं लगता उन्हें कुछ और करना होता है इस पर हम नंबरों का दबाव उनपर बनाते हैं जो किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे- पढ़ाई से संबंधित समस्याएं, शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं, अकेलापन, एकाग्रता का कम होना, वर्तमान में सोशल मीडिया और मोबाइल का अत्याधिक प्रयोग भी ज्यादातर समय तनाव में रहने के लिए जिम्मेवार हैं।

आप का नजरीया

पैंतीस करोड़ का नौकर

झारखंड की बदकिस्मती है कि प्रकृति ने उसे खूब संसाधन दिए हैं, बेशकीमती खनिज दिए हैं, लेकिन फिर भी वह गरीब और भ्रष्ट है। दरअसल झारखंड का राजनीतिक नेतृत्व फितरत से ही भ्रष्ट रहा है। बेशक वह शिबू सोरेन हों, नरसिंह राव सरकार बचाने वाले सांसद हों, मुख्यमंत्री रहे मधु कौड़ा और कुछ माह पूर्व तक मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन हों, सभी दागदार और भ्रष्ट रहे हैं। जेल में भी रहे हैं। हेमंत सोरेन अब भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। कोई पर्यटन करने तो जेल में नहीं जाता! राजनेताओं के अलावा, आईएएस या अन्य शीर्ष अधिकारियों के घरों से भी करोड़ों की नकदी बरामद की गई है। उनके पास अकूत संपत्तियां भी मिली हैं, लिहाजा उन्हें जब्त किया गया है। कई ऐसे सफेदपोश चेहरे जेल की सलाखों के पीछे हैं। झारखंड में धीरज साहू जैसे कांग्रेसी और ओबीसी सांसद भी हैं, जिनके घर और अन्य ठिकानों से 350 करोड़ रुपए से अधिक के नकदी नोट बरामद किए गए। घर के कमरों में नोट ऐसे सजाए गए थे मानो नकदी का कोई शोरूम हो! काली कमाई के ये पहाड़ कैसे संजो लिए जाते हैं, आम आदमी के लिए यह आश्चर्य की मीनारें हैं। साहू जी आज भी सांसद हैं। ईडी ने क्या कार्रवाई की, सब कुछ रहस्य है, क्योंकि हमने ऐसे काले धन्नासेठ को जेल जाते हुए भी नहीं देखा। देश में काले, भ्रष्ट नकदी पहाड़ों के गोदाम भरे हुए हैं, प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कड़वा सच लगता है। देश के कई हिस्सों में ऐसे गोदामों को दबोचा गया है, अदालत में भी केस हैं, लेकिन आम आदमी न्याय का मारा है। बहरहाल ताजातरीन मामला झारखंड सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से परोक्ष रूप से जुड़ा है। उनके निजी सचिव के घरेलू नौकर के घर से 35 करोड़ रुपए से अधिक की 'काली कमाई' बरामद हुई है। आठवां आश्चर्य!!! एक नौकर स्तर का व्यक्ति कितना भी भ्रष्टाचार करे, लेकिन उसके घर बैगों में भरे करोड़ों के नोट बरामद नहीं किए जा सकते। यकीनन इस संदर्भ में उसे 'बलि का बकरा' बनाया गया है। तो फिर सवाल है कि काली कमाई के नोट किसके हैं? क्या नौकर का घर 'कलेक्शन सेंटर' बना था? ईडी के अफसरों को मंत्री के निजी सचिव पर तो शक था, लिहाजा नौकर का पीछा भी किया गया। अक्सर उसके हाथ में एक बैग होता था, लेकिन घर से बाहर आते हुए उसके हाथ खाली होते थे। अंततः ईडी ने छापेमारी की, तो नोटों से भरे बैग मिले और उसी के साथ भ्रष्टाचार का एक रहस्य खुला। सवाल मंत्री के कारनामों पर भी है, क्योंकि ईडी ने जिन इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की धरपकड़ की है, उनमें से कइयों ने मंत्री की संलिप्तता का भी खुलासा किया है। दलाली का एक खेल उस विभाग में खेला जा रहा था। ठेका देने के बदले 3 फीसदी की दलाली ली जाती थी। मंत्री और निजी सचिव की 'कटमनी' ज्यादा और अलग थी। अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर की बोलियां अलग से लगती थीं। यह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं, बल्कि आम आदमी से भ्रष्ट जमात ने जो भी लूटा है, उसकी पाई-पाई वापस वसूली जानी चाहिए।

घोटाले करने के लिए झामुमो और कांग्रेस के बीच मची होड़ : शाह

खूंटी (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि घोटाले करने के लिए झामुमो और कांग्रेस के बीच होड़ मची है, लेकिन झारखंड की गरीब जनता का जो पैसा इन लोगों ने खाया है, उसके पाई-पाई का हिसाब लेंगे और उल्टा लटकाएंगे। वे खूंटी में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की महाविजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस के सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए कैश पकड़ा गया। ये सारा पैसा आपका है, जो राहुल बाबा की पार्टी लूट कर ले गई है। अभी दो दिन पहले झारखंड में कांग्रेस के मंत्री के यहां से 35 करोड़ रुपए मिले। ये सारे रुपए झारखंड के आदिवासी भाइयों और पिछड़ा समाज के लोगों का है। शाह ने कहा कि मैं झामुमो से कहना चाहता हूं कि सत्ता प्राप्त करने के लिए आप जिस कांग्रेस के साथ बैठे हो, उस कांग्रेस ने वर्षों तक झारखंड की रचना को रोके रखा। कांग्रेस के राज में देश के आदिवासियों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया। आदिवासी कल्याण मंत्रालय भी गृह विभाग के एक जॉइंट सेक्रेटरी के पास था लेकिन जनजातीय आयोग और आदिवासी कल्याण मंत्रालय का गठन करने का काम अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। शाह ने कहा कि मैं आज डंके की चोट पर कहता हूं कि झारखंड और बिहार को नक्सलवाद से मुक्त करने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करने और सभी आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए देशभर में स्पेशल ट्राइबल स्वतंत्रता सेनानी म्यूजियम बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पीएफआई पूरे देश में आतंकवाद फैलाता था, उसको सबसे बड़ा समर्थन यहां कांग्रेस और जेएमएम की सरकार से मिलता था। नरेंद्र मोदी ने एक ही रात में 100 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी कर पीएफआई के पूरी कैडर को जेल में डाला और उसे बैन कर दिया। अमित शाह ने कहा कि खूंटी की इसी पावन भूमि से भगवान बिरसा मुंडा ने भारत से अंग्रेजों को निकालने का आंदोलन सबसे पहले शुरू किया था। इस आंदोलन ने यहां से लेकर नागपुर तक और समग्र देश में क्रांति की ज्योति शुरू की थी। वर्ष 2025 में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती आएगी। मोदी ने 2025 को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। शाह ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने झारखंड बनाने का काम किया। इसके बाद नरेंद्र मोदी ने राज्य को संवारने का काम किया। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस और इंडी अलायंस वालों को कहना चाहता हूं कि पीओके भारत का है। इसको कोई नहीं छीन सकता। पाकिस्तान से पीओके लाने की जगह कांग्रेस एटम बम की बात करके भारत की जनता को डरा रही है। साथ ही कहा कि भाजपा का स्टैंड क्लियर है कि पीओके की एक-एक इंच भूमि भारत की है और भारत में रहनी चाहिए। आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन के आदर्शों को विश्वपटल पर लाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। आज पूरा देश उनके जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मना रहा है, जिससे हर झारखंडी अपने-आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि वोट के लिए खूंटी में पहले भी कई प्रधानमंत्री आए-गए हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी खूंटी के गांवों में आते हैं और बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर जाकर उसका मान-सम्मान बढ़ाते हैं। अर्जुन मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की आवाज दिल्ली तक पहुंचनी चाहिए। गृहमंत्री शाह के कारण देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत हुई है। पूरे देश में शांति का वातावरण है। देश शांति के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। देश प्रगति करना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। हमारी सरकार के सभी निर्णय इसी कड़ी में लिए जा रहे हैं। अर्जुन मुंडा ने कहा कि एक तरफ विपक्षी दल लोगों के बीच में गलतफहमी फैलाने, लोगों बरगलाने का काम कर रहे हैं। साथ ही अवैध तरीके से अर्जित किए गए धन से चुनाव को प्रभावित करना चाहते हैं, तो दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी है जो मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण का कार्य रही है। क्योंकि, भाजपा के संकल्प में देश है तो हम हैं, देश का सम्मान है तो हमारा सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य है गरीबों का जीवन स्तर ऊपर उठे, गांव की महिलाएं लखपति दीदी बनें, हमारे युवा रोजागर के साथ जुड़े और देश के किसान हमारी शान है, उसका स्वाभिमान देश के साथ जुड़े। जनसभा को पूर्व सांसद पद्मभूषण कड़िया मुंडा, खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा विधायक कोचे मुंडा आदि ने भी संबोधित किया। इस मौके पर रांची के पूर्व सांसद राम टहल चौधरी, खूंटी लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी डॉ. रविंद्र राय और जिप उपाध्यक्ष मंजू देवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर से पाकिस्तानी संगठनों से जुड़ा युवक गिरफ्तार

नूपुर शर्मा सहित कई नेताओं को दी थी हत्या की धमकी

पटना (हिंस)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से पाकिस्तानी संगठन से जुड़े मोहम्मद अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। इसे सूरत की स्पेशल ब्रांच की टीम ने चक अब्दुल्ला गांव से गिरफ्तार किया। मोहम्मद अली की गिरफ्तारी उसके मामा के घर से हुई। इसके बाद सूरत पुलिस ने मोहम्मद अली को गिरफ्तार कर मुजफ्फरपुर कोर्ट में आज पेश किया। कोर्ट का आदेश मिलने के बाद पुलिस मोहम्मद अली को सूरत लेकर जाएगी। बताया गया है कि इसी मोहम्मद अली ने भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा और उमेश्वर राणा को हत्या की धमकी थी। मोहम्मद अली लगातार पाकिस्तानी संगठनों के संपर्क में था। मोहम्मद अली पर कई हिंदू नेताओं को जान से मारने की धमकी और साजिश रचने का आरोप है। इसका नेटवर्क गुजरात के सूरत में रहने वाले एक मौलाना और पाकिस्तान के कट्टरपंथी सदस्यों से लगातार चल रहा था। पुलिस ने सबसे पहले इसके मोबाइल को जब्त कर जांच किया, जिससे पता चला कि वो सूरत व पाकिस्तान के सदस्यो सें लगातार अलग-अलग वाट्सएप चैटिंग और अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से कनेक्ट रहता था। उपदेश राणा की हत्या की साजिश में मौलाना सोहैल अबु बक्र तिमोल की गिरफ्तारी के बाद यह मामला खुला है। सोहैल का संबंध पाकिस्तानी आतंकी संगठन से जुड़ने के बाद गुजरात पुलिस ने इसकी और कड़ियों जोड़ी है। उसने ही शहनाज उर्फ अली को पाकिस्तानी संगठन के साथ जोड़ा था। गिरफ्तार युवक नेपाल में शहनाज के नाम से जाना जाता है।

सनातन का विरोध करने वाले सनातन के कभी नहीं हो सकते : ब्रजेश पाठक

बलिया (हिंस)। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को बलिया से सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय का बिना नाम लिए कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने वाले लोग सनातन के कभी नहीं हो सकते। कहा कि हमारे धर्म-ध्वजा का विरोध करने वाले सनातन के कभी नहीं हो सकते। नीरज शेखर के नामांकन सभा में जुटी भीड़ देख गदगद ब्रजेश पाठक ने कहा कि जाति-धर्म से ऊपर उठकर मतदान करें। सपा को सनातन विरोधी बताते हुए कहा कि राम मंदिर का विरोध करने वाले कहते थे कि इसका डिजाइन खराब है। बलिया वह भूमि है जहां हर गांव में डीह बाबा हैं। हम तो वो हैं जो पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर रख दिया जाए तो उसे भी डीह बाबा मानकर पूजते हैं। परिवार का हर धार्मिक अनुष्ठान वहीं होता है। सपा कांग्रेस के लोग अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों के बारे में एक बार भी नहीं बोलते। वे जानते हैं कि सनातन धर्म के लोग सहिष्णु हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि नीरज शेखर पुराने साथी हैं। जन सैलाब देख कर लग रहा है कि जाति धर्म से ऊपर उठकर यहां के लोग भाजपा के समर्थन में हैं। बलिया कोई साधारण धरती नहीं है। भारत की तस्वीर को देखना है तो बलिया के टेस्ट को नापो। बलिया ने दिखाया है कि देश में मोदी की सुनामी है।

जनता तीसरी बार प्रधानमंत्री मोदी को सत्ता सौंपेगी : नीरज त्रिपाठी

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने शुक्रवार को दिघिया नहर और भारतगंज में ब्लॉक प्रमुख, क्षेत्र पंचायत सदस्य, बीडीसी और ग्राम प्रधानों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश की जनता ने सुशासन और विकास के लिए मोदीजी को दो बार प्रधानमंत्री बनाया और तीसरी बार पुनः उन्हें सत्ता सौंपने जा रही है। इसके पूर्व नीरज त्रिपाठी लोकसभा क्षेत्र के करछना और मेजा के लोकपुर नैनी, सूलटंकेश्वर मंदिर अरैल में दर्शन कर युवा मोर्चा सम्मेलन उरुवा में शामिल हुए। उन्होंने बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास की आवश्यकता को प्राथमिकता पर रखा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को देश की जनता देख रही है। युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है। आज देश के नौजवान सकारात्मक माहौल के कारण अपना भविष्य निखार रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने वाले युवाओं को विशेष रूप से पार्टी द्वारा सम्मानित किया जाएगा। ग्रामीण अंचल में विकास कार्यों के जायजा लेने के साथ भविष्य में जनता के खुशहाली के लिए क्या करना है, इस पर योजना बनाने को कहा और जनता के बीच जाकर नीरज त्रिपाठी के प्रतिनिधि के रूप में जाने का आग्रह किया। कहा कि किसी भी तरह के दबाव में ना आकर कमल का फूल खिलाना है। संसदीय मीडिया प्रभारी देवेन्द्र नाथ मिश्र ने बताया कि संगठनात्मक बैठकों का दौर लगातार जारी है। जिसमें बूथ स्तर पर पार्टी का पूरा ध्यान केंद्रित है। विभिन्न प्रकार के संगठन और समाजसेवी लगातार पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। प्रत्याशी की पत्नी भाजपा नेत्री कविता यादव त्रिपाठी और उनके बेटा-बेटी भी लगातार प्रचार-प्रसार में लगे हैं। जिसका प्रभाव क्षेत्र में दिख रहा है। हर तरफ लोग पूरी गर्मजोशी से स्वागत को उतावले रहते हैं और जनता स्वयं मोदीजी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को आतुर है। संसदीय मीडिया प्रभारी के अनुसार कार्यक्रमों में जिलाध्यक्ष महानगर राजेन्द्र मिश्र एवं यमुनापार विनोद प्रजापति, लोकसभा प्रभारी मनोज जायसवाल, संयोजक शिवदत्त पटेल, सह संयोजक बब्बूराम द्विवेदी, विधायक पीयूष रंजन निषाद, विभव नाथ भारतीय, ज्ञानेश्वर शुक्ल, सुरेश मौर्य, राकेश पांडे, विक्रमादित्य मौर्य, भोला तिवारी, पुष्पराज पटेल, अशोक सिंह, सुधाकर पांडे, सविता मिश्र, प्रदीप मेहरा, बब्लू पांडे, संतोष त्रिपाठी, राजेश शुक्ल, प्रेमशंकर, दिलीप चतुर्वेदी, जय कोल, अरशद खान, मो. जुबैर, रमेश राय, अभिनव राय, कुणाल सोनकर, राकेश चौरसिया, सुग्गन कुशवाहा, राजेन्द्र पटेल, मीनाक्षी, सुशीला, रेखा, बिंदु, मालती, सीता देवी, अपर्णा गिरी, काजल, अनीता निषाद, कल्लू बड़ई समेत हजारों लोग रहे।

वोट बैंक के लिए होता रहा महाराजा सुहेलदेव का अपमान : योगी आदित्यनाथ

बहराइच (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आजादी के बाद से महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान होता रहा। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के गुनहगार सालार मसूद गाजी को मौत के घाट उतारकर बहाराइच में उसकी कब्र बनाने वाले महा पराक्रमी महाराजा सुहेलदेव को केवल वोट बैंक के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा ने सम्मान नहीं दिया। क्योंकि उन्हें डर था कि ऐसा करने पर सालार मसूद गाजी का भक्त वोटबैंक खिसक न जाए। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को महसी के रामपुरवा बाग में बहराइच लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी डॉ. आनंद कुमार गोंड के पक्ष में जनता से वोट की अपील की। मुख्यमंत्री ने महाराज सुहेलदेव के पराक्रम की भूमि और स्वाधीनता सेनानी राजा बलभद्र सिंह की पावन भूमि को कोटि कोटि नमन करते हुए उपस्थित जनसमूह को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि आज के दिन त्रेतायुग और सतयुग की शुरुआत हुई थी। सीएम योगी ने कहा कि पिछली बार विधानसभा चुनाव में आया था तब आपने आशीर्वाद दिया और सुरेश्वर सिंह महसी से विधायक बने और प्रदेश मंल भाजपा की सरकार बनी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश सरकार ने अयोध्या में न केवल रामलला का भव्य मंदिर बनवाया, बल्कि अराजकता फैलाने वाले माफिया तत्वों का रामनाम सत्य करने का काम भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो सरकार आपकी भावनाओं का सम्मान करती हो, आपके हितों का संरक्षण करती हो, विकास के कार्यों के साथ जोड़ती हो, उसे बार-बार चुनना चाहिए। इससे वर्तमान तो सुधरता ही है, भविष्य के लिए भी नए-नए अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि हमने विकसित भारत की संकल्पना को साकार होते देखा है। 10 साल पहले आतंकवाद, नक्सलवाद की समस्या के साथ ही विकास में भ्रष्टाचार, योजनाओं में डकैती होती थी। गरीब भूख से मरता था। नौजवान पलायन करता था। बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। दंगे होते थे और कर्फ्यू लगता था। अयोध्या, बनारस, लखनऊ, कचहरियों, सीआरपीएफ कैंप पर हमला होता था। सीएम योगी ने बताया कि 1972 में तत्कालीन सरकार ने सरयू नहर परियोजना शुरू की थी, जो 45 साल तक लटकी रही। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार आई उसके बाद सरयू नहर परियोजना को पूरा किया गया। इसके बाद 14 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए सरयू नदी का पानी मिल रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, परिजनों ने हाइवे जामकर किया प्रदर्शन

कठुआ (हिंस)। कठुआ जिले में दयालाचक छलां मार्ग पर स्थित पक्का कोठा गांव में बीआरओ की सड़क विस्तारिकारण परियोजना में अस्थाई तौर पर काम करने वाले चौकीदार की बीते रात ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक युवक की पहचान सुरेंद्र कुमार उम्र 25 वर्ष निवासी सूखू चक के रूप में हुई है। बीआरओ में चौकीदार के तौर पर कार्यरत युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में डियूटी के दौरान हुई मौत के बाद गुस्साए परिवार वालों ने शव को लोंडी मोड के समीप जम्मू-पठानकोट हाइवे पर रखकर जाम कर दिया और उसकी हत्यारों को गिरफ्तार करने मांग की। घटना की सूचना मिलने के बाद हीरानगर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने शव को अपने कब्जे में लेकर उपजिला अस्पताल हीरानगर में स्थानांतरित किया और जांच को शुरू कर दिया। वहीं मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने हत्या किए जाने के गरीब गंभीर आरोप लगाते हुए कठुआ पुलिस से मांग की है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच की जाए और जिन लोगों ने हत्या की है उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि हादसा बीआरओ की लापरवाही से हुआ है और मृतक युवक गरीब परिवार से है इसलिए उसके परिवार के किसी एक सदस्य को नौकरी दी जाए।

आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्रों के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

जयपुर (हिंस)। आर्मी पब्लिक स्कूल के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन, सप्त शक्ति कमांड के सहयोग से जयपुर मिलिट्री स्टेशन के सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार प्रथम सत्र का संचालन प्रणव विरमानी, प्रशिक्षण प्रबंधक, ओबेरॉय ग्रुप ऑफ होटल्स और नूपुर पारीक, मानव संसाधन विभाग प्रबंधक ट्राइडेंट होटल, जयपुर द्वारा किया गया। उन्होंने व्यवस्थित प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम (एसटीईपी) के बारे में जानकारी दी, जो एक प्रसिद्ध प्रशिक्षण पहल है, जो व्यक्तियों को विशेष रूप से होटल संचालन और अतिथि सेवाओं के क्षेत्रों में कुशल आतिथ्य पेशेवरों में विकसित करने के लिए डिजाइन की गई है। प्रतिभागियों को ओबेरॉय और ट्राइडेंट होटलों में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलता है, वे वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों से परिचित होते हैं और अनुभवी पेशेवरों के साथ काम करते हैं। यह एपीएस जयपुर के छात्रों के लिए रोजगार कार्यक्रम का दूसरा संस्करण है। इसके पहले संस्करण में एपीएस जयपुर से दो छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए नामांकित किया गया था। दूसरा सत्र अर्चना शर्मा और उनकी टीम द्वारा मास मीडिया और पत्रकारिता आयोजित किया गया। अर्चना वर्तमान में एक एनजीओ, सक्षम संचार फाउंडेशन चला रही हैं, जिसका उद्देश्य मीडिया शिक्षा को देश के अंतिम कोने तक ले जाना है ताकि कला, शिल्प, व्यंजन और संस्कृति के क्षेत्र से स्थानीय कहानियां वैश्विक बनें और विश्व मंचों पर साझा की जाएं। आवा सप्त शक्ति कमांड की शिक्षा अध्यक्ष गीतांजलि बहल सम्मानित अतिथि थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ओबेराय ग्रुप द्वारा एसटीईपी कार्यक्रम और सक्षम संचार फाउंडेशन द्वारा मीडिया शिक्षा छात्रों को कई क्षेत्रों में अपना वांछित करियर चुनने और अपने भविष्य को आकार देने के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगी। काउंसलिंग सत्र में आर्मी पब्लिक स्कूल के लगभग 400 उत्साही छात्रों ने भाग लिया, यह सत्र अत्यधिक जानकारीपूर्ण और इंटरैक्टिव था। छात्रों ने प्रशिक्षण की प्रकृति, पाठ्यक्रम की भविष्य की संभावनाओं और रोजगार के अवसरों से संबंधित प्रश्न पूछे।

कांग्रेस ने भगवान राम को नकारा जनता कांग्रेस को नकारेगी : संजय सेठ

रांची (हिंस)। सांसद संजय सेठ ने शुक्रवार को विद्यानगर में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान संसद सेठ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भगवान राम को नकारा है। जनता कांग्रेस को नकारेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक कहा भगवान राम के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करने वाले पार्टी को जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस के लोग सनातनी को एड्स और आतंकवादी बताते हैं। सनातनी का विरोध करने वालों को कभी देश माफ नहीं करेगा। भगवान राम हम सबों के आराध्य हैं उनका अपमान मतलब देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान करना है। जब मुगल और अंग्रेज शासन सनातन को खत्म नहीं कर पाए तो कांग्रेस की क्या औकात है। कांग्रेस ने सनातनी धर्म को हमेशा अपमानित कर तुष्टिकरण की राजनीति की। 500 वर्षों के बाद भगवान श्री राम का मंदिर बनकर तैयार हुआ यह गौरव की बात है। लेकिन कांग्रेस इसे भी नहीं पचा पा रहे हैं। देश की जनता इस चुनाव में कांग्रेस को जवाब देगी। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जरिये अरगोड़ा रिलायंस फ्रेश से चापु टोला, लाजपत नगर में पदयात्रा एवं जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में आम जन को निमंत्रण बांटने में भाजपा जुटी

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी संसदीय सीट से 14 मई को नामांकन के पूर्व शहर में मेगा रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री के रोड शो में आम और खास लोगों को जोड़ने के लिए भाजपा संगठन ने कमर कस लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल के निर्देश पर काशी क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ युवा मोर्चा के पदाधिकारी भी 13 मई को रोड शो में आने के लिए आम लोगों को आमंत्रण पत्र दे रहे हैं। शुक्रवार को पार्टी के जिला मंत्री अश्वनी पांडेय *प्रबल*, विधान सभा संयोजक वंशराज पटेल के साथ कार्यकर्ताओं ने सेवापुरी विधान सभा के चंदापुर बाजार में आमंत्रण पत्र बांटा। इसमें राजकुमार पटेल, सर्वेश्वर नारायण सिंह, राहुल पटेल जयापुर, राम प्रसाद प्रजापति, मंडल मंत्री प्रभु राजभर, शक्ति केंद्र संयोजक अनिकेत विश्वकर्मा आदि शामिल रहे। इसी क्रम में पार्टी के लोकसभा समन्वयक एवं एमएलसी अश्वनी त्यागी ने तुलसी उद्यान महमूरगंज स्थित वाराणसी लोकसभा के केंद्रीय चुनाव कार्यालय से 11 प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी की होर्डिंग्स, पार्टी के झंडे एवं बैनर से सुसज्जित ये प्रचार वाहन वाराणसी लोकसभा की पांचों विधानसभा में प्रमुख बाजारों एवं चौराहे पर काशी की जनता को रोड-शो के लिए निमंत्रण दे रहे हैं। इस अवसर पर लोकसभा संयोजक सुरेंद्र नारायण सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अशोक पांडेय, महानगर अध्यक्ष विद्या सागर राय, प्रदीप अग्रहरी, हरि केशरी, राहुल सिंह, राजेश त्रिवेदी, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सुरेश सिंह, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर आदि भी मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह के प्रचार में रालोद कार्यकर्ता बहा रहे पसीना

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी राजनाथ सिंह के प्रचार में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कार्यकर्ता सुबह शाम पसीना बहा रहे हैं। रालोद कार्यकर्ताओं को गले में हरे रंग का फीता लिए देखकर पहले तो लोग दूसरे किसी प्रत्याशी के प्रचारक समझ रहे हैं। फिर उनके भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह का नाम लेने पर मतदाताओं के चेहरे पर मुस्कान आ जा रही है। राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता पीसी पांडेय और राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व सचिव सुमित सिंह अपने साथी कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह का प्रचार करने निकले। गठबंधन के तहत रालोद कार्यकर्ताओं ने घर घर पहुंचकर मतदाता से विकास कार्यों को देखते हुए कमल के फूल का बटन दबाने की अपील की। भाजपा प्रत्याशी को विजय दिलाकर पुनः देश की संसद में भेजने का आशीर्वाद मांगा। शुक्रवार को रालोद के कार्यकर्ताओं के प्रचार के दौरान ही उन्हें भाजपा के कार्यकर्ताओं का भी साथ मिला। रालोद कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के बूथ महामंत्री सुदीप, श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव महेश पाल धनगर, प्रोफेशनल मंच के प्रदेश सचिव मुकेश वर्मा, अध्यक्ष ऋषभ, मनोज सिंह ने भाजपा प्रत्याशी के लिए प्रचार किया। रालोद के नेता पीसी पांडेय ने बताया कि लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में रालोद के कार्यकर्ता गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लखनऊ में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। रालोद नेता, कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में राजनाथ सिंह का प्रचार कर रहे हैं। उत्साह के साथ प्रत्याशी का प्रचार हो रहा है।

अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम, नर-नारायण व हयग्रीव का हुआ था अवतार : गुरु साकेत

किशनगंज (हिंस)। अक्षय तृतीया को सनातन धर्म में बेहद खास त्योहार माना जाता है। इसे अक्खा तीज के नाम से भी जाना जाता है। उदिया तिथि के कारण अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जा रही है। शुक्रवार को महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि अक्षय तृतीया 10 मई को सुबह 4 बजकर 19 मिनट से शुरू हो चुकी है और इस तिथि का समापन 11 मई को सुबह 02 बजकर 53 मिनट पर होगा। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की उपासना करने से जीवन में तरक्की होती है। अक्षय तृतीया के दिन सोना-चांदी खरीदना काफी शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया को कई वजहों से साल का सबसे शुभ दिन माना जाता है। गुरु साकेत कहते है कि, सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत अक्षय तृतीया से ही हुई थी। भगवान विष्णु ने नर नारायण का अवतार भी इसी दिन लिया था। भगवान परशुराम का जन्म भी अक्षय तृतीया पर हुआ था। इस शुभ तिथि से ही भगवान गणेश ने महाभारत का काव्य लिखना शुरू किया था। इस दिन किए गए शुभ एवं धार्मिक कार्यों के अक्षय फल मिलते हैं। इस दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों ही अपनी उच्च राशि वृषभ में होते हैं, इसलिए दोनों की सम्मिलित कृपा का फल अक्षय हो जाता है। गुरु साकेत ने बताया कि अक्षय का अर्थ होता है-जिसका क्षय ना हो। माना जाता है कि इस तिथि को किए हुए कार्यों के परिणाम का क्षय नहीं होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन परशुराम, नर-नारायण, हयग्रीव का अवतार हुआ था। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन गजकेसरी योग और धन योग बन रहे हैं, जो मेष, वृष, और मीन राशि वालों के लिए बेहद शुभ रहेंगे। वहीं दूसरी ओर इस दिन सूर्य और शुक्र की मेष राशि में युति हो रही है, जिससे शुक्रादित्य योग बन रहा है। इसके साथ ही मीन राशि में मंगल और बुध की युति से धन योग, शनि के मूल त्रिकोण राशि कुंभ में होने से शश योग और मंगल के अपनी उच्च राशि मीन में रहकर मालव्य राजयोग और वृषभ राशि में चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बन रहा है। गुरु साकेत कहते है कि अक्षय तृतीया के दिन जप, तप और हवन के लिए सुबह 05 बजकर 33 मिनट से दोपहर 12 बजकर 26 मिनट के बीच की अवधि सबसे उत्तम है। साथ ही इस दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है। जिस वजह से इस दिन का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। गुरु साकेत ने बताया कि इस बार ग्रहों के संयोग को देखते हुए अक्षय तृतीया पर भरा हुआ जलपात्र, मिष्ठान्न, श्वेत वस्त्र, नमक, शरबत, चावल, चांदी का दान करना बेहद शुभ फलदायी होगा। अक्षय तृतीया के दिन नए संवत्सर के पंचांग, धार्मिक पुस्तकों और फलों का दान भी पुण्यदायक होता है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन ही युधिष्ठिर को कृष्णजी ने अक्षय पात्र दिया था। जिसमें कभी भी भोजन समाप्त नहीं होता था। इस दिन दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।
घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दिनों से जारी गिरावट पर भी अंकुश लग गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260.30 अंक बढ़कर 72,664.47 पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.70 अंकों की तेजी के साथ ही 22,055.20 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में 9 शेयरों में गिरावट आई जबकि बाकी के 21 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी। निफ्टी-50 में भी 38 शेयरों में तेजी और 12 शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी एक बार फिर से 22 हजार से ऊपर निकल गया। वहीं गत कारोबारी दिन में यह 21,957.50 पर बंद हुआ था।

कारोबार के दौरान पेट्रोलियम (बीपीसीएल) के शेयर सबसे अधिक 4.50 फीसदी बढ़े, इसके अलावा पावरग्रिड , एनटीपीसी, हीरो मोटोकॉर्प और आयशर मोटर्स निफ्टी-50 के लाभ वाले शेयर रहे।

वहीं आईटी कंपनी टीसीएस के शेयर सबसे अधिक गिरे। टीसीएस के शेयरों में 1.65 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा सिप्ला , एलटीमाइंडट्री लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक और इंफोसिस के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं ऑयल ऐंड गैस, मेटल और एफएमसीजी के शेयर उछले। फएमसीजी के शेयर 1.19 फीसदी ऊपर आये। निफ्टी मेटल में 1.54 फीसदी की तेजी रही। मेटल स्टॉक्स में हिंदुस्तान जिंक के शेयरों ने जबरदस्त 15.97 फीसदी की उछाल दर्ज की और 529 रुपये पर बंद हुआ। ऑयल ऐंड गैस के भी ज्यादातर शेयरों में भी बढ़त रही। इससे पहले वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों की वजह से बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 270 अंकों की तेजी के साथ 72,683 पर कारोबार करता देखा गया। वहीं निफ्टी 22,046 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। बीएसई पर एनटीपीसी, पावर ग्रिड शीर्ष लाभ पाने वालों में से थे, जबकि इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक नुकसान वाले शेयरों में रहे। इसी तरह एनएसई पर बीपीसीएल, बजाज ऑटो टॉप गेनर्स पाने वालों में से रहे, जबकि इंफोसिस, ब्रिटानिया शीर्ष पर थे। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो हांगकांग, शंघाई और बैंकॉक के बाजार लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि टोक्यो और सियोल के बाजारों में तेजी बनी हुई है। अमेरिकी बाजार तेजी के साथ बंद हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट ने धनशोधन मामले में सोरेन की याचिका का किया निस्तारण, बताया यह कारण

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उस याचिका का निस्तारण कर दिया जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका पर वह फैसला सुनाए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि याचिका बेकार हो गई है क्योंकि उच्च न्यायालय तीन मई को अपना फैसला सुना चुका है और सोरेन पहले ही उसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे चुके हैं। सोरेन ने गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका पर उच्च न्यायालय का निर्णय आने तक लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देने का भी अनुरोध किया था। पीठ ने सोरेन की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल तथा अरुणाभ चौधरी से कहा, ''यह बेकार हो गई है। सिब्बल ने कहा कि उच्च न्यायालय के पिछले सप्ताह के फैसले को चुनौती देने वाली सोरेन की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) 13 मई को शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के लिए आ रही है। उन्होंने कहा कि दोनों याचिकाओं पर 13 मई को एक साथ सुनवाई की जाए। हालांकि, पीठ ने कहा कि सोरेन के वकील उस एसएलपी में समस्त दलील उठा सकते हैं जो 13 मई को सुनवाई के लिए आएगी। सिब्बल ने कहा, ''भूल जाइए कि वह एक पूर्व मुख्यमंत्री हैं। मुझे (सोरेन को) नागरिक के तौर पर अधिकार है कि उच्च न्यायालय निष्पक्षता बरते।'' पीठ ने सोरेन की याचिका का निस्तारण करते हुए कहा, ''आपने उच्च न्यायालय के आदेश को एक और याचिका में चुनौती दी है। आप वहीं दलील दीजिए।

एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 20,371 करोड़ का निवेश, इक्विटी म्यूचुअल फंड में 16 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल, 2024 में पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। इस अवधि में एसआईपी निवेश मार्च, 2024 के 19,271 करोड़ से बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 20,371 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च के 22,633 करोड़ से 16 फीसदी घटकर 18,917 करोड़ रुपये रहा। लार्जकैप फंड में निवेश प्रवाह कम होने से इक्विटी म्यूचुअल फंड में गिरावट आई है। यह लगातार 38वां महीना है जब इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह हुआ है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, पिछले महीने म्यूचुअल फंड उद्योग में 2.4 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ है। मार्च में 1.6 लाख करोड़ की निकासी हुई थी। उद्योग का एयूएम बढ़कर 57.26 लाख करोड़ रुपये म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रबंधन के अधीन शुद्ध परिसंपत्तियां (एयूएम) अप्रैल में बढ़कर 57.26 लाख करोड़ रुपये पहुंच गईं। मार्च अंत में यह 53.54 लाख करोड़ थीं। लार्जकैप फंड में निवेश तेजी से घटकर 357 करोड़ रह गया। मार्च में यह 2,128 करोड़ था। ईएलएसएस में 144 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

सोना 72,100 और चांदी लगभग 85 हजार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 91 रुपये की तेजी के साथ 71,730 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 490 रुपये की तेजी के साथ 72,129 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 262 रुपये की तेजी के साथ 84,761 रुपये पर खुलने के बाद 636 रुपये की तेजी के साथ 85,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,353.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,340.30 डॉलर था। फिलहाल यह 17 डॉलर की तेजी के साथ 2,357.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस का आईपीओ 15 मई को खुलेगा

17 मई तक कर सकेंगे अप्लाय, इस कंपनी में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भी निवेशक

मुंबई।
बेंगलुरु स्थित इंश्योरटेक स्टार्ट-अप गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 15 मई को ओपन होगा। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 17 मई तक बोली लगा सकेंगे। ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, इस इश्यू के जरिए कंपनी 2,614.65 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 1,125 करोड़ के नए शेयर जारी करेगी और 1,489.65 करोड़ के 5.47 करोड़ शेयर को कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए बेचेंगे।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा इसके निवेशक - क्रिकेटर विराट कोहली ने 2020 में 2 करोड़ रुपए में कंपनी के 266,667 शेयर खरीदे थे। वहीं, उनकी पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने निजी प्लेसमेंट के जरिए 50 लाख का निवेश किया था। आईपीओ के जरिए प्रमोटर गो डिजिट इंफोवर्क्स और अन्य मौजूदा शेयरहोल्डर अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। हालांकि, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा निवेशक बने रहेंगे। रिटेल इनवेस्टर्स मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 55 शेयर के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 258-272 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 272 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,960 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 715 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 194,480 इन्वेस्ट करने होंगे। इश्यू का 10 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस ने इश्यू का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है।

गोल्ड लोन पर 20,000 से अधिक नहीं मिलेगा कैश : आरबीआई

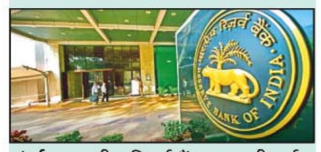

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गोल्ड लोने देने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से कहा है कि इनकम टैक्स कानून के अनुसार गोल्ड लोन पर 20,000 रुपये से अधिक कैश का भुगतान न करें। आरबीआई ने इस हफ्ते की शुरुआत में गोल्ड लोन मुहैया कराने वाले फाइनेंसरों और माइक्रो फाइनांस को दी गई सलाह में इनकम टैक्स कानून की धारा 269 एसएस का पालन करने का निर्देश दिया है। मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार इनकम टैक्स एक्ट की धारा 269एसएस में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति पेमेंट के लिए बताए गए तरीकों के अलावा किसी दूसरे व्यक्ति की ओर से की गई डिपॉजिट या लोन स्वीकार नहीं कर सकता है. इस धारा में कैश की मंजूर की गई लिमिट 20,000 रुपये है। आरबीआई की ओर से दी गई सलाह से कुछ सप्ताह पहले केंद्रीय बैंक ने आईआईएफएल फाइनेंस के निरीक्षण के दौरान कुछ चिंताएं नजर आने के बाद उसे गोल्ड लोन मंजूर करने या डिस्ट्रीब्यूट करने से रोक दिया था। आरबीआई की इस सलाह पर टिप्पणी करते हुए मणप्पुरम फाइनेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसमें कैश लोन देने के लिए 20,000 रुपये की लिमिट दोहराई गई है।

थिंक एंड लर्न ने पाठ्यक्रम सदस्यता शुल्क में 30-40 प्रतिशत कटौती की

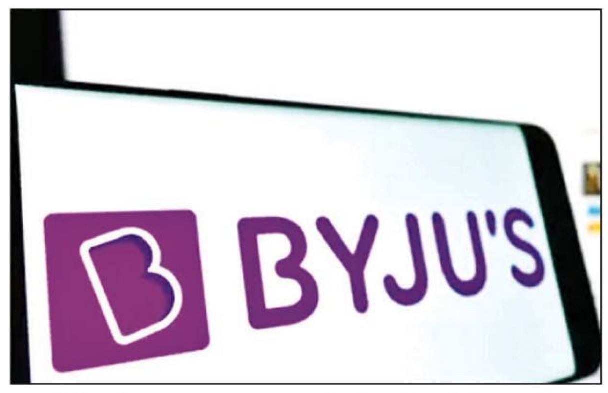

नई दिल्ली ।
शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने पाठ्यक्रम सदस्यता शुल्क में 30-40 प्रतिशत की कटौती करने के साथ बिक्री प्रोत्साहन को 50-100 प्रतिशत बढ़ा दिया है। बायजू के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी बायजू रवींद्रन ने 1,500 बिक्री सहयोगियों और प्रबंधकों के साथ एक बैठक में कारोबार विस्तार और लचीलेपन के लिए अपनी बिक्री रणनीति में बदलाव की घोषणा की है। घटनाक्रम से परिचित सूत्रों ने कहा कि बायजू लर्निंग ऐप की वार्षिक सदस्यता अब 12,000 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है, जबकि बायजू क्लासेस और बायजू ट्यूशन सेंटर की पूरी कीमत समूचे साल के लिए क्रमश 24,000 रुपये और 36,000 रुपये है। उन्होंने कहा कि इस तरह पाठ्यक्रम शुल्कों में लगभग 30-40 प्रतिशत की कटौती की गई है। कंपनी के मूल्यांकन में भारी गिरावट आने से पैदा हुए वित्तीय संकट से उबरने की कोशिश में लगे रवींद्रन ने पाठ्यक्रमों की बिक्री करने वाली टीम का प्रोत्साहन बढ़ाने के साथ उनका सारा बकाया चुकाने का भी वादा किया है। बायजू ने कहा कि औसत बिक्री वेतन 40,000 रुपये प्रति माह है। आप कुछ पाठ्यक्रमों की बिक्री करें और आप अपने वेतन के साथ बकाया वेतन भी निकाल सकते हैं। इस मॉडल से अपने सालाना वेतन पैकेज की कई गुना राशि कमा सकते हैं। उन्होंने घोषणा की कि बायजू के बिक्री सहयोगियों को बिक्री के अगले दिन ही पूरी प्रोत्साहन राशि सीधे उनके खातों में मिलेगी, जबकि प्रबंधकों को कंपनी से इसका 20 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। बायजू ने प्रबंधकों को निर्देश दिया है कि वे बिक्री टीम को समर्थन और सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोच के रूप में कार्य करें। बायजू ने कर्मचारियों से कहा है कि वे किसी भी तरह के दुर्व्यवहार, जबरन बिक्री या प्रबंधकों के अशिष्ट व्यवहार की शिकायत सीधे उन्हें करें। इस घटनाक्रम के बारे में टिप्पणी के लिए बायजू को भेजे गए ईमेल का अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

चुनौतियों के बाद भी 115 देशों को बढ़ा भारत से निर्यात; शीर्ष-10 देशों में 13 फीसदी ज्यादा वृद्धि

नई दिल्ली ।
वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद 2023-24 में कुल 238 देशों में से 115 में भारत से निर्यात बढ़ा है।

अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, चीन, ब्रिटेन, सऊदी अरब, सिंगापुर, बांग्लादेश, जर्मनी और इटली समेत 115 देशों को कुल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 46.5 फीसदी है। वाणिज्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2023-24 में कुल 778.2 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2022-23 के 776.4 अरब डॉलर से 0.23 फीसदी ज्यादा है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद 2022-23 में कुल निर्यात उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

17 उत्पादों में मजबूत वृद्धि

कमोडिटी के मोर्चे पर बीते वित्त वर्ष के दौरान 17 उत्पादों के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। देश के कुल निर्यात में इनकी 48.4 फीसदी हिस्सेदारी है। जिन 17 उत्पादों का निर्यात बढ़ा है, उनमें इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, कॉटन और हैंडलूम शामिल हैं।

वैश्विक वस्तु निर्यात में बढ़ी देश की हिस्सेदारी

2023-24 में देश से सेवा निर्यात 4.8 फीसदी बढ़कर 341.1 अरब डॉलर पहुंच गया। वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2014 के 1.70 फीसदी से बढ़कर 2023 में 1.82 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। वैश्विक माल निर्यातकों में भारत 19वें से 17वें स्थान पर आ गया है।

कौन हैं जॉन टर्नस, जो टिम कुक की जगह बन सकते हैं एपल के नए सीईओ

वॉशिंगटन ।
दिग्गज टेक कंपनी एपल के सीईओ टिम कुक इस साल 64 साल के हो जाएंगे। टिम कुक की उम्र को देखते हुए माना जा रहा है कि वह जल्द ही रिटायरमेंट ले सकते हैं। ऐसे में मीडिया में इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि टिम कुक की जगह कौन ले सकता है मीडिया रिपोर्ट्स में जॉन टर्नस का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि कई और उम्मीदवार भी है, जिनमें एपल के मौजूदा चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेफ विलियम्स का नाम भी शामिल है। हालांकि सबसे ज्यादा संभावना जॉन टर्नस के नाम की है।

कौन हैं जॉन टर्नस-

- 1. जॉन टर्नस एपल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं और कंपनी के विभिन्न उत्पादों जैसे आईफोन, आईपैड, एयरपॉड और अन्य उत्पादों को बनाने में जॉन टर्नस का अहम योगदान है।
- 2. जॉन टर्नस सीधे टिम कुक को रिपोर्ट करते हैं और साल 2001 से एपल से जुड़े हैं। जॉन टर्नस ने प्रोडक्ट डिजाइन टीम के सदस्य के तौर पर एपल में अपने करियर की शुरुआत की थी और अब साल 2013 से वे एपल की हार्डवेयर इंजीनियरिंग के उपाध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं
- 3. जॉन टर्नस के नेतृत्व में ही आईपैड के विभिन्न मॉडल्स , मौजूदा आईफोन सीरीज और एयरपॉड का उत्पादन हुआ है।
- 4. मैक से एपल सिलिकॉन के बदलाव में भी जॉन टर्नस ने ही अहम भूमिका निभाई है। जॉन एपल जॉइन करने से पहले वर्चुअल रिसर्च सिस्टम नामक कंपनी में बतौर मैकेनिकल इंजीनियर काम कर चुके हैं।
- 5. जॉन टर्नस की शिक्षा की बात करें तो उन्होंने पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।
- 6. जॉन टर्नस के अलावा जेफ विलियम्स को भी एपल का नया सीईओ बनाए जाने की चर्चा है। जेफ विलियम्स के अलावा एपल के सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के उपाध्यक्ष क्रेग फेडरीगी, रिटेल के उपाध्यक्ष डेरड्रे ओ ब्रायन, डैन रिकियो और फिल शीलर में से किसी एक को भी सीईओ पद की जिम्मेदारी मिल सकती है।
- 7. जॉन टर्नस का दावा सबसे मजबूत माना जा रहा है और इसकी वजह ये है कि वे लंबे समय से एपल के साथ जुड़े हैं और उन्हें टिम कुक का करीबी भी माना जाता है।

त्रिपुरा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलेगा ग्रेच्युटी का लाभ, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली ।
उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य के सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पिछली तारीख से ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के दायरे में आएं। न्यायमूर्ति एस दत्ता पुरकायस्थ की पीठ द्वारा दिए गए फैसले के अनुसार, आईसीडीएस योजना के तहत कार्यरत सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायक, जिनमें सेवा से सेवानिवृत्त हुए लोग भी शामिल हैं, सेवानिवृत्ति प्राप्त करने पर ग्रेच्युटी राशि प्राप्त करने के पात्र होंगे। अधिवक्ता पुरुषुत्तम रॉय बर्मन, जिन्होंने मामले में 22 याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व किया उन्होंने एएनआई इसकी जानकारी दी। अदालत ने 22 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों के पक्ष में फैसला पारित किया, जिन्होंने ग्रेच्युटी लाभ की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। उन्होंने इस आधार पर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया कि वे ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के तहत इस विशिष्ट लाभ के हकदार थे। इससे पहले, सभी याचिकाकर्ताओं ने अपने उच्च प्राधिकारी जो कि सामाजिक कल्याण और सामाजिक शिक्षा विभाग है से लाभ मांगने का आग्रह किया था, लेकिन विभाग ने उनकी दलीलों को ठुकरा दिया था। उच्च न्यायालय ने उस विभागीय आदेश को भी रद्द कर दिया है जिसके आधार पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों को ग्रेच्युटी लाभ से वंचित किया गया था। बर्मन ने बताया, माननीय उच्च न्यायालय ने विशेष रूप से कहा है कि ग्रेच्युटी की राशि सेवा से सेवानिवृत्ति के 30 दिनों के भीतर भुगतान की जानी चाहिए और यदि देरी होती है तो राशि एक निश्चित ब्याज दर से बढ़ेगी। विभागीय आदेश जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता ग्रेच्युटी के लिए पात्र नहीं थे, को भी रद्द कर दिया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों के लिए फैसले को जीत बताते हुए, बर्मन ने कहा, हम सभी जानते हैं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायक बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं, लेकिन बदले में उन्हें जो भुगतान मिलता है वह एक सभ्य जीवन जीने के लिए पर्याप्त नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुसार, उच्च न्यायालय ने गुजरात राज्य से संबंधित इसी तरह के एक मामले पर पहले पारित सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लेख किया।

एलन मस्क ने कहा- अब एक्स पर पोस्ट कर सकते हैं फिल्म

नई दिल्ली । टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने ऐलान किया कि सोशल मीडिया एक्स यूजर्स फिल्म, टीवी सीरीज और पॉडकास्ट को प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर मोनेटाइजेशन के जरिए आय अर्जित कर सकते हैं। अपनी बहन टोस्का मस्क जो स्ट्रीमिंग सर्विस पेशनफ्लिक की सह-संस्थापक हैं, से मस्क ने कहा कि यूजर्स अब एक्स पर फिल्म, टीवी सीरीज और पॉडकास्ट को आसानी से पोस्ट कर सब्सक्रिप्शन के जरिए मोनेटाइजेशन का फायदा उठा सकते हैं। टोस्का ने अगले पोस्ट में लिखा कि लोग अब एक्स पर फिल्म देख रहे हैं। यह काफी अच्छा है। कुछ यूजर्स ने इस दौरान मस्क को सलाह दी कि बिना सब्सक्रिप्शन लिए फिल्म देखने के लिए उन्हें एक वन टाइम फीस भी रखनी चाहिए। इसके अलावा मस्क ने अपने फॉलोअर्स को बताया कि एआई ऑडियंस फीचर जल्द ही आने वाला है। उन्होंने इस नए फीचर के बारे में बताते हुए कहा कि इसकी मदद से आप ऐड के लिए अपनी टारगेट ऑडियंस तक जल्द ही पहुंच सकते हैं। हमारा एआई सिस्टम कुछ ही सेकंड्स में आपके ऐड के लिए उपयुक्त यूजर्स का एक पूल तैयार कर देगा। बता दें कि एलन मस्क ने एक्स (पूर्व ट्विटर) को अक्टूबर 2022 में खरीदा था। तब से लेकर अब तक मस्क कंपनी का नाम बदलकर एक्स कर चुके हैं। इसके साथ ही कंटेंट पोस्ट करने पर मोनेटाइजेशन जैसे कई फीचर्स को प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है।

ओलंपिक के लिए इन नामी जोड़ियों के साथ तैयारी करेंगे सात्विक-चिराग, देश में ही करेंगे प्रैक्टिस

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक में पदक की दावेदार राष्ट्रमंडल और एशियाड स्वर्ण विजेता बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को ओलंपिक की तैयारियां दो नामी विदेशी जोड़ियां कराएंगी। ये दोनों जोड़ियां यूरोपियन चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन-एडम हाल और थॉमस कप पदक विजेता इंडोनेशिया के रेन आगुंग-बेरी एंग्रियावान हैं। सात्विक-चिराग इन दोनों जोड़ियों के साथ पेरिस की तैयारियां मुंबई और हैदराबाद में अंजाम देंगे। दोनों ही जोड़ियों को सात्विक-चिराग और उनके डेनमार्क के कोच मथायस बोए की सिफारिश पर बुलाया जा रहा है। साई ने दोनों की तैयारियों के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है, जिस पर तकरीबन साढ़े छह लाख रुपये का खर्च आएगा। जून और जुलाई आएंगी विदेशी जोड़ियां सात्विक और चिराग ने विदेश की बजाय देश में ओलंपिक की तैयारियां करने का फैसला लिया है। अलेक्जेंडर डन और एडम हाल के साथ सात्विक और चिराग 22 से 30 जून तक मुंबई में तैयारियां करेंगे, जबकि आगुंग और एंग्रियावान के साथ दोनों पांच से 20 जुलाई तक हैदराबाद में तैयारियां करेंगे। इसके बाद यहीं से दोनों पेरिस रवाना होंगे। मथायस बोए दोनों को कोरियाई जोड़ी के साथ तैयारियां कराना चाहते थे। कोरियाई जोड़ी ने 10 हजार अमेरिकी डॉलर की मांग की। इस पर बात नहीं बनी। इंडोनेशियाई जोड़ी चार हजार डॉलर में आ रही है। हैदराबाद में बैडमिंटन खिलाड़ियों की तैयारियों के लिए इंडोनेशिया के तीन स्पारिंग पार्टनर (तैयारी कराने वाले) अनुबंधित किए गए थे। सात्विक और चिराग भी इनके साथ तैयारी करते थे, लेकिन इनमें से दो वापस चले गए, जिसके चलते सात्विक-चिराग को तैयारियों के लिए नए सिरे से योजना बनानी पड़ी।

न्यूज ब्रीफ

ज्योति याराजी का बेहतरीन प्रदर्शन, करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली । भारत की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी ज्योति याराजी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड के वुघ्ट में हैरी शुल्टिंग खेलों में सीजन की पहली आउटडोर प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। ज्योति ने 100 मीटर बाधा दौड़ में यह उपलब्धि हासिल की। पिछले साल हांगझू एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली 24 वर्षीय याराजी ने विश्व एथलेटिक्स ई कैटेगरी की प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के लिए 12.87 सेकेंड का समय निकाला जो उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ समय है। रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के करीब ज्योति याराजी ने भले ही पेरिस ओलंपिक के लिए 2.77 सेकेंड के क्वालीफाइंग मानक को हासिल नहीं किया, लेकिन वह विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की ओर अग्रसर हैं। विश्व एथलेटिक्स की रोड टू पेरिस सूची में ज्योति फिलहाल 26वें स्थान पर मौजूद हैं। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में 40 धावक प्रतिस्पर्धा करेंगे जिनमें से 15 विश्व रैंकिंग के आधार से क्वालीफाई करेंगी, जबकि 25 एथलीट का प्रवेश क्वालीफाइंग मानक से होगा। पिछले साल 60 मीटर में जीता था स्वर्ण पदक ज्योति याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है जो उन्होंने पिछले साल वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के दौरान हासिल किया था। उन्होंने फरवरी में तेहरान में एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में 60 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया था।

वेंगसरकर ने यशस्वी को प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया

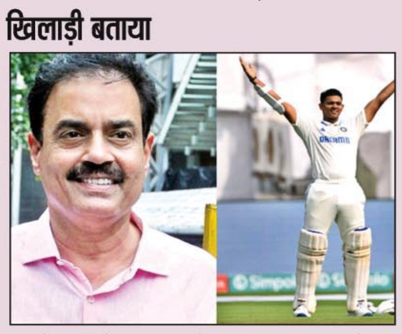

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे एक जुमीन से जुड़ा प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया है। वेंगसरकर ने कहा कि उन्होंने यशस्वी को अंडर 14 खेलने के दिनों से देखा है। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसका ध्यान हमेशा अपने खेल पर ही रहता है। यशस्वी ने अपने पदार्पण के बाद से ही अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वेंगसरकर ने कहा कि मैं उसे अपनी अकादमी के साथ इंग्लैंड ले गया था। वह काफी अच्छा खिलाड़ी है जिसका ध्यान अपने लक्ष्य पर रहता है। एक खिलाड़ी के रूप में वह बहुत भावुक और जमीन से जुड़ा हुआ है। आईपीएल के इस सत्र में यशस्वी शुरुआती मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद लय में आये और उन्होंने 11 मैचों में 32.00 की औसत और 157.63 की स्ट्राइक रेट से एक शतक और अर्धशतक के साथ ही 320 रन बनाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन रहा है। भारतीय टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में इस बल्लेबजा ने 17 मैचों में 161.93 के स्ट्राइक रेट से एक शतक और चार अर्धशतक के साथ 502 रन बनाए हैं।

बॉलीवुड का प्रशंसक नहीं पर मुझे भारत से प्यार : लारा

मुम्बई । वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों को भारत काफी पसंद है। इन्हीं में दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा भी शामिल हैं। लारा आजकल आईपीएम में कमेंट्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बॉलीवुड का प्रशंसक नहीं हूं। मेरे देश में काफी भारतीय हैं, इसलिए बॉलीवुड को लेकर काफी रुचि है। मैं अंग्रेजी फिल्मों का भी शौकीन नहीं हूं। मैने हैरी पॉटर जैसी सीरीज नहीं देखी है। उन्होंने कहा, ' मुझे भारत में मिलने वाला प्यार पसंद। उन्होंने कहा, 'जब भी आप भारत आते हैं तो जिस तरह से आप पर स्नेह बरसाया जाता है। आप किसी भी कोने में जाएं, आपको देखकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान आ जाती है। यह बहुत अच्छा लगता है और बहुत सकारात्मक भी है। लारा ने कहा, 'भारत में आने से मुझ पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मियामी बीच पर टहलते हुए हर कोई आपको धक्का देकर आगे बढ़ना चाहेगा लेकिन भारत में हर कोई आपकी ओर खिंचा चला आएगा। सनराइजर्स हैदराबाद के साथ बतौर कोच उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा पर उनकी नजर में यह टीम इस साल आईपीएल नॉकआउट में पहुंच सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं साफ कर देना चाहता हूं क्योंकि आपको लगेगा कि सनराइजर्स के साथ मेरा संबंध इतना खराब रहा लेकिन मैं चाहता हूं कि यह टीम आईपीएल में अच्छा करे। उन्हे छोले भटूरे पसंद हैं।

भारतीय महिला टीम का बांग्लादेश का 5-0 से क्लीन स्वीप

पांचवें टी-20 मैच में 21 रन से हराया, राधा ने 3 विकेट लिए

नई दिल्ली ।
भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सिलहट में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में बांग्लादेश को 21 रन से हराया। इसके साथ ही पांच टी-20 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है। इस मैच में भारत ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग का फैसला किया।

भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश टीम 135/6 रन ही बना सकी। भारत ने इस सीरीज को 5-0 से अपने नाम कर लिया।

हेमलता और हरमन के बीच 60 रन की साझेदारी

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत को पहला झटका 25 रन के स्कोर पर लगा। शेफाली वर्मा 14 गेंदों पर 14 रन बना कर आउट हो गईं। दूसरा विकेट 62 रन पर गिरा। स्मृति मंधाना ने 25 गेंदों पर 33 रन बनाए।

डी हेमलता ने पहले मंधाना के साथ 37 रन की पार्टनरशिप की और उसके बाद हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 60 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्कोर देने में अहम भूमिका निभाई।

बांग्लादेश की शुरुआत खराब

157 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 19 रन पर ओपनर शेभना मोस्ट्री आउट हो गईं। उन्होंने 9 गेंदों का सामना कर 13 रन बनाए। वहीं दिलारा अख्तर भी 4 रन बना कर पवेलियन लौट गईं। 48 रन के स्कोर पर बांग्लादेश के 4 विकेट गिर गए।

जिसके बाद रितु मोनी और शोरफिया खातून ने बांग्लादेश की पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 57 रन की पार्टनरशिप की और टीम को संकट से उभारने की कोशिश की।

मोनी ने 37 रन और शोरिफा खातून ने नाबाद 28 रन की पारी खेली, पर वह टीम को जीत नहीं दिला सकी। बांग्लादेश 6 विकेट पर 135 रन ही बना सकी।

राधा यादव ने लिए तीन विकेट

राधा यादव ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके अलावा आशा शोभना ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए।

मारडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी की जून में नीलामी होगी

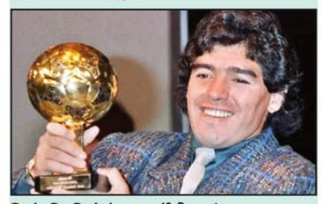

रियो डि जिनेरो । अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का साल 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उनकी कप्तानी में ही टीम ने 1986 में विश्वकप जीता था। इस जीत में माराडोना की अहम भूमिका रही थी। नीलामी घर अगुटेस हाउस के अनुसार गोल्डन बॉल ट्रॉफी पिछले काफी समय से गायब भी पर अचानक ही ये मिल गयी । माराडोना को ये ट्रॉफी 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए दी गयी थी। नीलामी घर को उम्मीद है कि ट्रॉफी की नीलामी में भारी रकम मिलेगी। विश्वकप टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। पिछले काफी समय से ये गोल्डन बॉल ट्रॉफी गायब थी जिसको लेकर अलग-अलग बातें कही गयी थीं। कुछ का कहना था कि ये ट्रॉफी एक पोकर मैच के दौरान खो गई थी या कर्ज चुकाने के लिए इसे बेच दिया गया था। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि माराडोना जब इटली की एक लीग में खेल रहे थे तो उन्होंने इसे नेपल्स बैंक की एक तिजोरी में रखा था जिसे 1989 में स्थानीय अपराधियों ने लूट लिया था।

टी20 विश्व कप में हसरंगा करेंगे श्रीलंकाई टीम की कप्तानी, पाथिराना शामिल

कोलंबो ।
श्रीलंका ने तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। इस टीम की कप्तान स्पिनर वानिंदु हसरंगा को बनाया गया है। पथिराना के चयन पर इसलिए भी सवाल उठे हैं क्योंकि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते समय वह चोटिल हो गये थे। इसके बाद वह आईपीएल सत्र से भी बाहर हो गये थे। टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद यह पथिराना स्वदेश लौट गये थे। उन्होंने चेन्नई की तरफ से केवल 6 मैच में 13 विकेट लिए थे। उनका इकोनॉमी रेट 7.68 रहा। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका की भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी हुई है। चोटिल होने के कारण वह आईपीएल में नहीं खेल पाए थे। इसके अलावा कप्तान हसरंगा भी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्हें भी चोटिल होने के कारण आईपीएल से हटना पड़ा था। टी20 विश्वकप में श्रीलंकाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल के साथ ग्रुप डी में शामिल किया गया है और वह 3 जून को न्यूयॉर्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है :
वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चैरिथ असलांका (उप-कप्तान), कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंदु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना, दिलशान मधुशंका।

रिजर्व खिलाड़ी: असिथा फर्नांडो, विजयकांत वियास्कंथ, भानुका राजपक्षे, जेनिथ लियानागे।

पंजाब पर जीत से आरसीबी के प्लेऑफ की संभावनाएं बरकरार, हमने अपने को साबित किया : डु प्लेसिस

धर्मशाला ।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने यहां हुए अहम मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर प्लेऑफ की रेस में अपने को बनाये रखा है। इस मैच में आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की अहम भूमिका रही। विराट के 92 रन की सहायता से टीम ने 241 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की टीम 181 रन ही बना पायी। इस प्रकार वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। जीत से उत्साहित आरसीबी के कप्तान डु प्लेसिस ने मैच के बाद कहा कि यह एक अच्छा खेल था और हमने अपने को साबित किया है।

हमने पिछले कुछ मैचों में लगातार 200 से अधिक का स्कोर बनाया है। हमारी रणनीति सफल रही। हमने पिछली गलतियों से सबक सीखा। आक्रामकता की जरूरत थी जो हमने अपनायी। गेंदबाजी करते हुए हमने सिर्फ विकेट लेने के बारे में बात की।

डुप्लेसिस ने कहा कि गेंदबाजी विभाग में हमारे पास 6 से 7 विकल्प हैं। हमें थोड़े से भाग्य का साथ भी जरूरी है। टूर्नामेंट की शुरुआत में हमारे पास कुछ लोग थे जो विकेट और रन की तलाश में थे। लड़कों ने इसे बदलने का काम किया है। हर कोई रन बना रहा है और गेंदबाज विकेट ले रहे हैं।

हमारे लिए अपने पर ध्यान केंद्रित करना अहम है। हम जिस शैली में खेलना चाहते हैं, उसी पर बरकरार रहना चाहते हैं, अगर हम ऐसा करते हैं तो यह साबित होगा कि हम वास्तव में एक अच्छी टीम हैं।

नए कोच के लिए जल्द विज्ञापन जारी करेगा बीसीसीआई : जय शाह ने कहा द्रविड़ चाहें तो अप्लाई कर सकते हैं; जून में खत्म होगा उनका कार्यकाल

नई दिल्ली ।
टीम इंडिया को जल्द ही नया हेड कोच मिल सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही नए कोच के लिए आवेदन मंगाएगा। इसका खुलासा बीसीसीआई सचिव जय शाह ने किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जय शाह ने मुंबई में कहा कि बोर्ड जल्द ही टीम इंडिया के हेड कोच के पद के लिए विज्ञापन जारी करने जा रहा है। मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल जून में पूरा होने जा रहा है।

जय शाह ने कहा, राहुल का कार्यकाल केवल जून तक है। इसलिए यदि वह अप्लाई करना चाहते हैं, तो वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं।

लंबे कार्यकाल के लिए नियुक्त होगा नया कोच

शाह ने आगे कहा, कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य, जैसे बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग कोच का सिलेक्शन नए कोच के परामर्श के बाद किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम यह तय नहीं कर सकते कि नया कोच भारतीय होगा या विदेशी। शाह ने पुष्टि की कि नए कोच को लंबे कार्यकाल के लिए नियुक्त किया जाएगा और वह शुरुआती तीन साल की अवधि के लिए काम करेगा।

द्रविड़ नवंबर 2021 में टीम इंडिया के चीफ कोच अपॉइंट हुए

फिलहाल टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ हैं। बीसीसीआई ने पिछले साल नवंबर में उनका कार्यकाल बढ़ा दिया था। वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के साथ ही द्रविड़ का दो साल का कार्यकाल खत्म हो गया था। इसके बाद बोर्ड और द्रविड़ की बातचीत हुई और यह तय हुआ कि द्रविड़ कम से कम टी-20 वर्ल्ड कप तक टीम से जुड़े रहेंगे। टी-20 वर्ल्ड कप इसी साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिकी की मेजबानी में होना है। राहुल द्रविड़ नवंबर 2021 में टीम इंडिया के चीफ कोच अपॉइंट हुए थे।

द्रविड़ सहित पूरे भारतीय कोचिंग स्टाफ का कार्यकाल बढ़ाया गया था। जिसमें बैटिंग कोच विक्रम राठौड़, फील्डिंग कोच टी दिलीप और बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे शामिल हैं।

द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया ने एशिया कप जीता

द्रविड़ के दो साल के कार्यकाल में टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार को छोड़ दिया जाए तो टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप के अपने सभी मैच जीते। वहीं, वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया ने एशिया कप अपने नाम किया। वहीं पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल खेली थी।

वैश्विक कुश्ती संस्था ने बजरंग को किया निलंबित, डोप परीक्षण कराने से इनकार करने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली ।
कुश्ती की वैश्विक संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डोप परीक्षण कराने के लिए इनकार करने पर बजरंग पूनिया को अस्थायी तौर पर निलंबित करने के राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के फैसले के बाद उन्हें साल के अंत तक निलंबित कर दिया है। हालांकि, हैरानी भरे फैसले में नाडा के निर्णय की जानकारी होने के बावजूद भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बजरंग की विदेश में ट्रेनिंग के लिए लगभग नौ लाख रुपये की राशि स्वीकृत की।

देश के सबसे सफल पहलवानों में से एक बजरंग को नाडा ने 23 अप्रैल को निलंबित किया था। उन्हें इससे पहले 18 अप्रैल को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया था।

अपने बचाव में टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने कहा था कि उन्होंने कभी परीक्षण के लिए नमूना देने से इनकार नहीं किया लेकिन डोप नियंत्रण अधिकारी से सिर्फ इतना पूछा कि वह नमूना लेने के लिए लाई गई 'एक्सपायर्ड किट' के बारे में विस्तार से बताए। बजरंग ने बताया कि उन्हें यूडब्ल्यूडब्ल्यू से निलंबन के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है लेकिन वैश्विक संचालन संस्था ने अपनी आंतरिक प्रणाली में अपडेट करते हुए स्पष्ट तौर पर जिक्र किया है कि वह निलंबित हैं।

बजरंग के नवीनतम परिचय के अनुसार, 'उपरोक्त कारण से 31 दिसंबर 2024 तक निलंबित।' इसमें कहा गया है, 'कथित एडीआरवी (डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन) के लिए नाडा भारत द्वारा अस्थायी तौर पर निलंबित।' दिलचस्प बात यह है कि मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ (एमओसी) को 25 अप्रैल की उसकी बैठक में सूचित किया गया कि बजरंग को रूस के दागेस्तान में 28 मई से ट्रेनिंग के उनके प्रस्ताव के लिए उड़ान किराए (वास्तविक) के अलावा आठ लाख 82 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

एमओसी बैठक की जानकारी के अनुसार बजरंग का शुरुआती प्रस्ताव 24 अप्रैल से 35 दिवसीय ट्रेनिंग का था लेकिन रहने के स्थान संबंधी नियम में विफलता के कारण विरोधाभासी यात्रा तारीखों को देखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा को 24 अप्रैल 2024 से 28 मई 2024 तक टालने का फैसला किया। इस प्रस्ताव में उनके स्ट्रैंथ एवं अनुकूलन कोच काजी किरोन मुस्तफा हसन और उन्हें ट्रेनिंग कराने वाले जोड़ीदार जितेंदर की यात्रा भी शामिल थी।

किडनी समय रहते संभालें

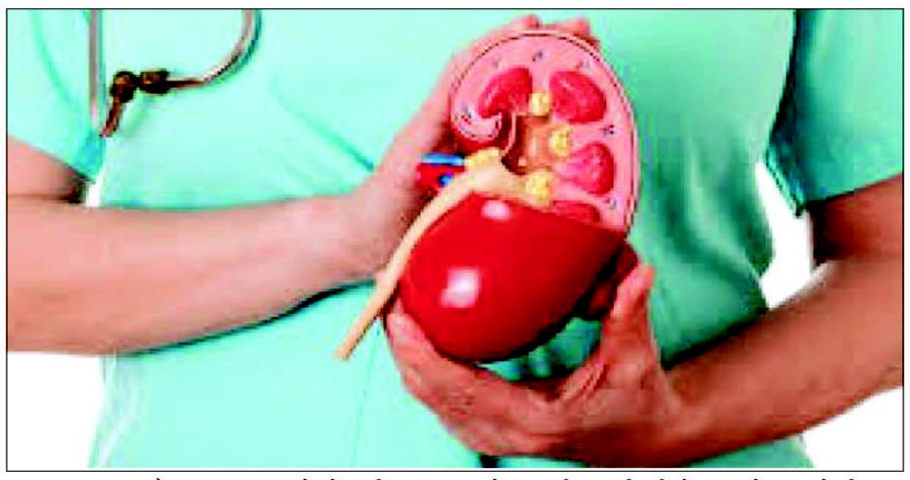

एक अनुमान के अनुसार 100 मे से करीब 17 लोगों की किडनी बीमार है। बिगड़ती जीवनशैली के कारण पिछले 15 वर्षों में किडनी के रोगों में दोगुने का इजाफा हुआ है। चूंकि इसके लक्षण देर से पता चलते हैं, इसलिए विशेषज्ञ 35 के बाद नियमित जांच की सलाह देते हैं।

सबक देने वाले वैज्ञानिक शोध

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी नामक जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अधिक मात्रा में मांसयुक्त आहार लेने वालों में किडनी फेल होने की आशंका कम मात्रा में मांस खाने वालों की तुलना में तीन गुनी अधिक होती है। शोधकर्ताओं ने मरीजों को आहार में मांस को सीमित करने और फल व सब्जियों का सेवन अधिक करने की सलाह दी है। यह भी सामने आया कि डाइटरी एसिड की उच्च मात्रा से किडनी के काम बंद होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजिकल रिसर्च (आईआईटीआर) के एक शोध में यह भी पाया गया कि जरूरत से ज्यादा समय तक रसोई में रहना महिलाओं की सेहत के लिए खतरनाक है। जिन रसोईघरों में हर समय काम होता है, वहां देर तक गैस जलने से अमूमन तापमान 30 डिग्री तक पहुंच जाता है। लगातार गर्मी भरे माहौल में रहने और पीएएच मान के अधिक होने की वजह से किडनी पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए रसोई में वेंटिलेशन का खास इंतजाम होना चाहिए।

किडनी में गड़बड़ी को इस क्रम से समझें

पहला चरण: शुरु में पेशाब की मात्रा और रंग में बदलाव दिखाई देता है। पर क्रिएटिनिन और ईजीएफआर का स्तर सामान्य होता है, इसलिए गड़बड़ी का पता आसानी से नहीं चलता। क्रिएटिनिन एक मेटाबॉलिक अपशिष्ट है, जिसे किडनी खून से अलग करती है और जो पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है। इसकी मात्रा खून में कम व पेशाब में ज्यादा होनी चाहिए। जांच में प्रोटीन की मात्रा हल्की-सी बढ़ी हुई हो सकती है।

दूसरा चरण: दूसरे स्तर पर क्रिएटिनिन तो सामान्य ही मिलता है, पर ईजीएफआर घटकर 90-60 हो जाता है। प्रोटीन की मात्रा बढ़ी होती है। शुगर और बीपी भी बढ़ा होता है।

तीसरा चरण: ईजीएफआर घटकर 60-30 के बीच आ जाता है। क्रिएटिनिन बढ़ने लगता है। इस स्तर पर किडनी की बीमारी का पता चल जाता है। खून की कमी, खुजली, ब्लडप्रेशर, पेशाब में यूरिया आदि के लक्षण स्पष्ट रहते हैं। इस स्तर पर जीवनशैली में सुधार करके किडनी को बचाया जा सकता है।

चौथा चरण: यहां क्रिएटिनिन बढ़कर 2-4 और ईजीएफआर घटकर 30-15 तक रहने लगता है। थोड़ी भी लापरवाही से डायलिसिस या ट्रांसप्लांट की नौबत आ जाती है।

पांचवां चरण: इस स्तर पर डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट के अलावा कोई उपाय नहीं रह जाता।

किडनी की बीमारी को साइलेंट किलर कहा जाता है। कारण कि शुरू में इसके लक्षण ज्यादा समझ में नहीं आते। खराबी 65 फीसदी से ऊपर हो जाए तो ही पता चलता है। वह भी जांच के जरिए ही सामने आता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार सौ में से 17 लोगों की किडनी बीमार है। डायबिटीज के कारण तीस-चालीस फीसदी लोग किडनी फेल्योर के शिकार होते हैं। पंद्रह फीसदी लोग हाइपरटेंशन की वजह से इसकी चपेट में आते हैं। हर साल लगभग दो लाख लोग किडनी ट्रांसप्लांट की लाइन में होते हैं, पर बमुश्किल तीन हजार मरीजों को ही यह सहूलियत मिल पाती है।

मुट्ठी के आकार की किडनी शरीर के निचले हिस्से में कमर में दाएं व बाएं दोनों तरफ होती है। स्त्री-पुरुष दोनों में आकार लगभग समान होता है। एक खराब हो जाए तो भी दूसरी काम करती रहती है। इसका मुख्य काम है शरीर के विषैले तत्वों को पेशाब के रास्ते बाहर निकालना। हृदय द्वारा पंप किए गए रक्त का बीस फीसदी हिस्सा किडनी में आता है। किडनी यहां खून में मौजूद विषैले तत्वों को छानकर अलग कर देती है और खून साफ हो जाता है।

ऐसे पहचानें

» पेशाब करने में दिक्कत होना, अचानक से कम या ज्यादा आना
» पेशाब के समय मूत्रनली में दर्द या जलन होना। ऐसा संक्रमण के कारण भी हो सकता है
» पेशाब का रंग बदल कर गहरा हो जाना। ऐसा दवाओं के कारण भी होता है
» पेशाब के रास्ते खून आना
» पेशाब में ज्यादा झाग उठना
» हाथ-पैरों में सूजन आना
» अधिक थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी आना
» मुंह से ज्यादा बदबू आना। रक्त में यूरिया की मात्रा बढ़ जाने के कारण ऐसा होता है
» पीठ में निचले हिस्से में दर्द होना। यह पथरी का संकेत हो सकता है।

डायलिसिस का खतरा

हर साल लगभग दो लाख मरीजों को डायलिसिस की जरूरत होती है। इनमें से सत्तर फीसदी मरीज उपचार शुरू करते हैं। उनमें से भी दो-तिहाई बीच में ही बंद कर देते हैं। या तो उन्हें डायलिसिस की सुविधा नहीं मिल पाती या वे खर्च नहीं उठा सकते। मुश्किल यह भी है कि सरकारी स्तर पर केवल दस फीसदी सुविधाएं उपलब्ध हैं और महानगरों तक सीमित हैं। हाल के दिनों में लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज, मेरठ के फार्माकोलॉजी विभाग में प्राचीन औषधीय महत्व के पौधे एलोवेरा पर एक शोध किया गया है। चूहों पर हुए इस शोध के अनुसार एलोवेरा किडनी के लिए फायदेमंद है। यह मरीज को डायलिसिस पर जाने से भी उबार सकता है।

आम आदतें, जो किडनी खराब करती हैं

» पेशाब रोकना- कम पानी पीना
» बहुत ज्यादा नमक खाना,
» हाई बीपी व शुगर के इलाज में लापरवाही, ज्यादा मात्रा में दर्द निवारक दवाएं लेना, सॉफ्ट ड्रिंक्स, सोडा और बहुत शराब पीना
» विटामिन-डी की कमी
» प्रोटीन, पोटैशियम, सोडियम, फॉस्फोरस वाले खाद्य पदार्थों का बहुत ज्यादा लेना
» अनियमित जीवनशैली

जब हो जाए गुर्दे में पथरी

छोटे आकार की पथरियां कई बार ज्यादा पानी पीने से ही मूत्र मार्ग से बाहर निकल जाती हैं। एलोपैथी के अलावा बड़ी पथरियों के लिए आयुर्वेद और होमियोपैथी में भी कारगर दवाएं हैं। पथरचिट्टा जड़ी, भूमि आंवला, कुलथी की दाल, खीरा, ककड़ी, गाजर का रस पथरी ठीक करने में मदद करते हैं। होमियोपैथी में लक्षणों के अनुसार दवाओं का चुनाव करने पर किडनी की पथरी आराम से ठीक हो जाती है।

किडनी रहेगी सलामत

» विटामिन-डी और विटामिन-बी 6 की आपूर्ति दुरुस्त हो तो किडनी की बेहतर सुरक्षा होती है। यदि पथरी की समस्या हो तो विटामिन-बी 6 का नियमित सेवन करें।

» विटामिन-सी किडनी की सेहत के लिए अच्छा रहता है। नींबू-पानी, आंवला, संतरा आदि पर्याप्त लें।

» किडनी स्वस्थ है तो पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। उसके बाद डॉक्टर की सलाह से पानी की मात्रा तय करें। कई स्थिति में ज्यादा पानी पीना नुकसानदेह भी हो सकता है।

» नमक कम खाएं। कई बार नमक कम करने या बंद कर देने से किडनी को काफी राहत मिल जाती है।

» प्रोटीन की मात्रा नियंत्रित रखें। शरीर के वजन के हिसाब से 0.5 से 0.8 मिलीग्राम प्रति किलो हर रोज के लिए काफी है।

» खीरा, ककड़ी, गाजर, पत्तागोभी, लौकी, आलू और तरबूज का रस फायदेमंद होता है। सब्जियों में तोरी, घीया, टिंडा, धनिया, परवल, कच्चा पपीता, कच्चा केला, सेम, सहजन की फली खाना फायदेमंद रहता है।

» अंगूर शरीर से विषाक्त तत्वों को बाहर करता है। रात में मुनक्के भिगोकर सवेरे उसका पानी पीना लाभ पहुंचाता है।

» जामुन और करौंदा जैसे फल किडनी से यूरिक एसिड और यूरिया को बाहर निकालने में सहायता करते हैं।

» दैनिक आहार में दही और छाछ शामिल करें। इससे मूत्र मार्ग के संक्रमण कम होते हैं।

» सेब, पपीता, अनन्नास, अमरूद, बेर जैसे फल खाएं।

» एक शोध में पाया गया है कि बेकिंग सोडा यानी सोडियम बाई कार्बोनेट किडनी को कई रोगों से बचाता है। बेकिंग सोडा के सेवन से रक्त में एसिडिटी की समस्या समाप्त हो जाती है, जो किडनी को बीमार बनाने का प्रमुख कारण है।

» 35 के बाद वर्ष में कम से कम एक बार बीपी और शुगर की जांच कराएं। बीपी या डायबिटीज के लक्षण मिलने पर हर छह माह में यूरिन और खून की जांच कराएं।

योग भी है फायदेमंद

योगासन में सुबह ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटी चक्रासन करें। दोपहर में मंडूक आसन, अर्ध मत्स्येन्द्र आसन, पश्चिमोत्तानासन, भुजंग व शशांक आसन और धनुरासन कर सकते हैं। इससे निचला हिस्सा और सेंट्रल नर्वस सिस्टम स्वस्थ रहता है। 10-15 मिनट कपालभाति प्राणायाम व मॉर्निंग वॉक जरूर करें। योग के अलावा समय से भोजन करें। सुबह 7 से 9 बजे के बीच नाश्ता करें। शाम को 7 बजे से पहले रात का भोजन कर लें। डायबिटीज के रोगियों को छोड़कर सभी को रात में एक गिलास दूध में एक चम्मच शहद डाल कर पीना चाहिए।

हर वक्त नींद के आगोश में...?

कभी भी कहीं भी सो जाना। न जगह देखना, न मौका और न वक्त। हर वक्त नींद के आगोश में ही रहना। कितना भी सो लें, लेकिन हमेशा अनमना सा रहना। यह सब लक्षण नॉर्कोलेप्सी की ओर इशारा करने वाले हो सकते हैं। नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें मरीज कभी भी अचानक सो जाता है, और अकसर वह अप्रत्याशित जगहों पर सो जाता है। इस

बीमारी में मरीज कभी भी बैठे- बैठे सो जाता है, यहां तक कि हंसते हुए या रोते हुए भी। कितना भी सो ले लेकिन ऐसा लगता है, जैसे वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी ज्यादातर 15 से 25 साल की उम्र के लोगों को अपना शिकार बनाती है। यह बीमारी क्रॉनिक सेन्ट्रल नर्वस सिस्टम से जुड़ी होती है और यह दिमाग में मौजूद उन रसायनों को प्रभावित करती हैं जो सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करते हैं। नार्कोलेप्सी के मरीज हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में असफल रहे हैं लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। महिलाओं और पुरूषों दोनों में ही यह बीमारी सामान्य तौर पर पायी जाती हैं। इस बीमारी के लक्षण मरीज में लंबे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

नार्कोलेप्सी के लक्षण

मुख्य लक्षण: नार्कोलेप्सी के मुख्य लक्षण हैं, दिन में बहुत ज्यादा सुस्त महसूस करना और बिना समय के कहीं भी सो जाना।

कैटाप्लैक्सी: यह प्रक्रिया नींद से जुड़ी है जिसमें कि मांस पेशियां किसी होने वाले अटैक की भांति स्थिर हो जाती हैं।

स्लीप पैरालिसिस: ऐसा बहुत कम होता है जब कि व्यक्ति चल फिर भी नहीं पाता।

हिप्नागोगिक या हिप्नोपौमपिक हैल्युसिनेशन: यह वह स्थिति है जब मरीज अर्धनिद्रा में होता है और उसे डरावने सपने आते हैं जिन्हें वो हकीकत मान लेता है।

आटोमैटिक बिहेवियर: इस अवस्था में व्यक्ति नींद में होता है लेकिन वो ऐसे काम करता है जैसे वो जाग रहा हो। ऐसी स्थिति में व्यक्ति इलाज की ओर तब अग्रसर होता है जब उसे सुस्ती की वजह से कहीं भी नींद आ जाती है और इससे मरीज की दिनचर्या पूरी तरह से खराब हो जाती हैं।

नार्कोलेप्सी का इलाज

जब फिजिशियन को यह अंदाज लगता है कि व्यक्ति नार्कोलेप्सी का शिकार हो सकता है तो वह उसे निद्रा विशेषज्ञ के पास जाने की सलाह देता है। ज्यादातर मामलों में मरीज की स्लीप सेन्टर में रखकर उसकी सोने की गतिविधियों को देखा जाता है। नार्कोलेप्सी का कोई इलाज नहीं है लेकिन कुछ दवाइयां लेकर और जीवनशैली में थोड़ा बदलाव लाकर मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। ऐसे व्यक्ति को अपने कर्मचारियों को और अपने अध्यापकों को इस बीमारी की सूचना दे देनी चाहिए ताकि उसके हिसाब से मरीज के लिए उचित व्यवस्था की जा सके। इसके अलावा मरीज को बहुत सावधान रहना चाहिए ताकि उसे अपनी बीमारी से कोई हानि ना पहुंच सके।

क्या हैं एनीमिया के लक्षण, इसके कारण और बचाव के उपाय...

एनीमिया एक रक्त से संबंधित बीमारी है. ज्यादारत औरतें ही इसकी शिकार होती हैं. एनीमिया होने पर शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और इसके चलते हीमोग्लोबिन बनना भी कम हो जाता है. इससे शरीर में खून की कमी हो जाती है. जब शरीर में हीमोग्लोबिन कम हो जाता है, तो नसों में ऑक्सीजन का प्रवाह भी कम होता है. इसी से पैदा होती है एनीमिया की समस्या. इससे खून में इसकी कमी हो जाती है और शरीर को जरूरी ऊर्जा भी नहीं मिल पाती.

हमारे शरीर लोह तत्व की कुल मात्रा शरीर के वजन के हिसाब से 3 से 5 ग्राम होती है. जब यह कम हो जाती है, तो खून बनना कम हो जाता है. एक अंदाजे के अनुसार भारत में करीब 60 फीसदी लोगों में एनीमिया पाया जाता है और इसमें ज्यादातर औरतें ही होती हैं.

एनीमिया के लक्षण

» हर समय थकान महसूस होना.
» उठने-बैठने पर चक्कर आना.
» त्वचा और आंखों में पीलापन.
» दिल की असामान्य धड़कन.
» सांस लेने मे तकलीफ.
» तलवों और हथेलियों का ठंडा होना.

क्यों होता है एनिमिया

» एनिमिया का सबसे बड़ा कारण है शरीर में आयरन की कमी.

» अगर आप खाने में कैल्शियम बहुत ज्यादा लेते हैं, तो यह भी एनिमिया का एक कारण साबित हो सकता है.

» हरी सब्जियां न खाना.

» शरीर से बहुत अधिक खून बह जाने से भी एनिमिया हो सकता है.

एनीमिया से बचाव और इलाज

वास्तव में खून की कमी ही एनीमिया है. इसलिए इससे बचाव के लिए आहार में कुछ बदलाव करना काफी फायदेमंद साबित होता है. शरीर में आयरन की जरूरत को पूरा करने के लिए खाने में चकुंदर, गाजर, ट्माटर और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें.

जब भी घर पर सब्जी बनाएं, तो उसे लोहे की कढ़ाई में बनाएं. इससे खाने में आयरन की मात्रा काफी बढ़ जाती है.

खाने में गुड चने का इस्तेमाल करें. कोशिश करें की काला गुड खाने की आदत पड़े. यह हीमोक्लोबिन बनाने में बददगार होता है.

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं अधिक कैल्शियम भी आयरन को कन्ज्यूम करने में रुकावट पैदा कर सकता है. इसलिए कैल्शियम को सामान्य मात्रा में लें या फिर एक बार अपने डॉक्टर से इस बारे में सलाह जरूर लें.

दांतों को रखना है स्वस्थ तो सोने से पहले ब्रश करना न भूलें

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए रात को ब्रश करना न भूलें। इसे करने से दांतों पर चिपका प्लाक निकल जाता है। यह बैक्टीरिया की एक पतली परत है जो दांतों में कैविटी और मसूड़ों में बीमारी पैदा कर देती है। अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो दांत कमजोर हो जाते हैं और गिरने लगते हैं। रात में सोने से पहले दांतों को एक बार जरुर ब्रश करें।

1. ब्रश न करने के नुकसान

ब्रश करने से दांतों में फंसे भोजन के टुकड़े निकल जाते हैं। यह प्लाक को निकालने में भी मददगार होता है जो की दांतों में बैक?टीरिया पैदा करता है। जिन आहारों में शक्कर की मात्रा ज्यादा हो उसे खाने के बाद ब्रश जरुर करें। ऐसे में अगर ब्रश न किया जाए तो दांत सड़ने लगते हैं।

2. क्यों होती है बीमारी

बदलते लाइफस्टाइल में गलत खान-पान के कारण भी इस समस्या का सामना करना पड़ता है। आजकल लोग फास्ट फूड खाना पसंद करते हैं और खाने के बाद दांत भी साफ नहीं करते। कई लोग रात को दूध पीते हैं और ब्रश करना जरूरी नहीं समझते। ऐसे में मुंह से आने वाली बदबू इस समस्या की शुरुआत है।

3. दांतों की सफाई

रात को सोने से पहले ब्रश करने की आदत डालें। अगर आप कुछ भी खाएं और ब्रश न भी करें पर कुल्ला जरुर करें। ब्रश को आगे-पीछे, ऊपर-नीचे और अंदर-बाहर धीरे-धीरे घुमाते हुए हल्के हाथों से करें। जीभ को साफ करना न भूलें।

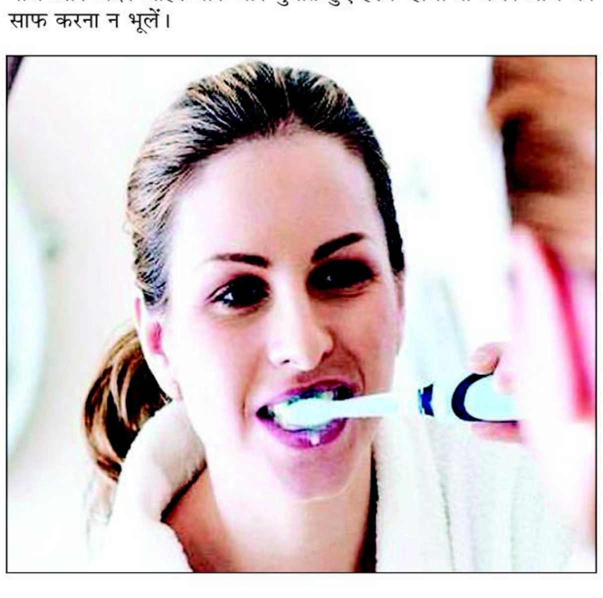

रेसिपी

पनीर 65

सामग्री

पनीर-200 ग्राम, मैदा- ढ़ाई चम्मच, कॉर्न फ्लोर- तीन चम्मच, चावल का आटा- एक चम्मच, अदरक लहसून का पेस्ट- तीन चम्मच, चाट मसाला- आधा चम्मच, लाल मिर्च- एक चम्मच, धनिया पावडर- एक चम्मच, पानी- पांच चम्मच, तलने के लिए तेल- दो चम्मच, प्याज- एक बारीक कटा हुआ, कढ़ी पत्ता- आठ से दस, गाढ़ी दही- डेढ़ चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि

पनीर को चौकोर टुकड़ों में कोट कर अलग कर लें. अब एक बर्तन में मैदा कॉर्न फ्लोर, चावल का आटा, सारे मसाले और नमक डाल कर मिक्स कर लें। लगभग पांच बड़ी चम्मच पानी डाल कर गाढ़ा घोल बना लें। अब इसमें पनीर के टुकड़ों को डाल लें ताकि पनीर में मिक्सचर लग जाए। एक कड़ाही में तेल गर्म कर लें। इसमें पनीर के टुकड़ों को सुनहरा, कुरकुरा होने तक तल लें। एक दूसरी कड़ाही में मध्यम आंच पर दो बड़े चम्मच तेल गर्म करके प्याज और कढ़ी पत्ता डाल कर भून लें। इसमें गाढ़ी दही, एक चौथाई बड़ी चम्मच लाल मिर्च पावडर और थोड़ा नमक डाल कर मिक्स करके एक मिनट तक पकने दें। तले हुए पनीर पकौड़े डाल कर दो तीन मिनट के लिए पकायें। अब गैस बंद कर इसे सर्व करें। पनीर 56 तैयार है।

पनीर के लड्डू

सामग्री

200 ग्राम पनीर, 100 ग्राम नारियल (कसा हुआ), 2 चम्मच अखरोट की गिरी, 2टी स्पून पिस्ते के टुकड़े, 2 टी स्पून बादाम, 8-10 किशमिश, 8 पिसी हरी इलाइची, 100 ग्राम दूध, 500 ग्राम शक्कर। **सजाने के लिये:** सूखी मेवा को बारीक काट लें।

विधि

पनीर को कददूकस कर लें।एक कड़ाही में शक्कर, पनीर और नारियल को दूध में डालें गैस पर रखें और धीमी आंच करके मिश्रण को धीरे-धीरे एक बड़ी चम्मच से चलाते रहें।मिश्रण गाढ़ा होने लगे तो उसमें किशमिश, बादाम, पिस्ता और अखरोट डालकर मिलाएं। अब हरी इलाइची को भी मिश्रण में मिलाकर कुछ देर तक चलाते रहें। इसके बाद गैस बंद कर दें और मिश्रण को थोड़ा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल पनीर के लड्डू तैयार कर लें।बारीक कटी सूखी मेवा से सजायें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**